Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 205
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार,23 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

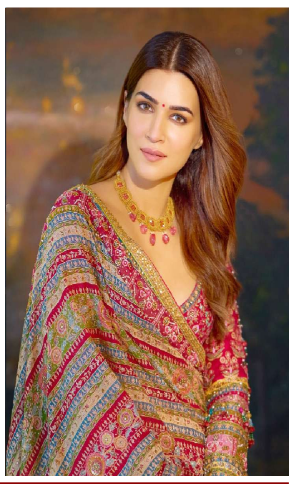

2 अमन-चैन और बरकत के लिए रोजेदारों ने की | 4 बिना ड्राई क्लीनिंग के ऐसे साफ करें पफर जैकेट, | 7 रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ लंदन में नजर आई

दिल्ली टू मेरठ, पीएम ने दिखाई हरी झंडी

मोदी बोले- देश जानता है कांग्रेसी पहले से नंगे :पीएम बनना चाहते हो तो लोगों के दिल जीतो

मेरठ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मेरठ में शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में मेरठ मेट्रो एवं नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और मेरठ दक्षिण स्टेशन तक मेट्रो रेल से भ्रमण किया। प्रधानमंत्री ने 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ नमो भारत गलियारे को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने भारत के 'नमो भारत रीजनल रैपिड ट्रांसिट सिस्टम' (आरआरटीएस) के शेष खंडों का भी उद्घाटन किया। इनमें दिल्ली में सराय काले खान और न्यू अशोक नगर के बीच का पांच किलोमीटर का खंड और उत्तर प्रदेश में मेरठ (दक्षिण) और मोदीपुरम के बीच का 21 किलोमीटर का खंड भी शामिल है। पीएम मोदी का मुख्यमंत्री ने स्वागत किया। उसके बाद प्रधानमंत्री शताब्दी नगर स्टेशन से 'नमो भारत ट्रेन' और 'मेरठ मेट्रो' को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद मोदी और योगी आदित्यनाथ मेट्रो से मेरठ साउथ स्टेशन तक जाएंगे। बताया कि मोदी वहां से सड़क के रास्ते मोहिउद्दीनपुर में अपराह्न एक बजे जन सभा को संबोधित करने से पहले कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के साथ नमो भारत देश की पहली क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली है। नमो भारत से साहिबाबाद, गाजियाबाद, मोदीनगर और मेरठ जैसे प्रमुख शहरी केंद्र दिल्ली से अधिक तेजी से जुड़ पाएगें। गलियारे का पहला स्टेशन सराय काले खान, इस उद्घाटन के साथ शुरू होने वाले चार नमो भारत स्टेशन में से एक है। रणनीतिक रूप से अहम यह स्टेशन 'मल्टी-मॉडल हब' है जो हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन, वीर हकीकत राय आईएसबीटी और रिंग रोड को जोड़ता है। जिन तीन अन्य स्टेशन-नमो भारत स्टेशन शताब्दी नगर, बेगमपुल और मोदीपुरम- की शुरूआत की जा रही है, वे मेरठ में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मेरठ दक्षिण और मोदीपुरम के बीच मेरठ मेट्रो सेवा का भी उद्घाटन किया जो नमो भारत के ही बुनियादी ढांचे पर संचालित होगी। यह देश में अपनी तरह की पहली पहल है। मेरठ मेट्रो भारत की सबसे तेज मेट्रो प्रणाली होगी, जिसकी अधिकतम परिचालन गति लगभग 120 किमी प्रति घंटा होगी।

रैपिड रेल और एक्सप्रेस-वे ने मेरठ-दिल्ली की दूरी घटाई, 50 मिनट में सफर संभव: सीएम

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक दशक पहले तक मेरठ से दिल्ली की 80-90 किलोमीटर की दूरी तय करने में चार से पांच घंटे तक लग जाते थे और जाम की आशंका से लोग दिल्ली जाने से कतराते थे, लेकिन आज एक्सप्रेस-वे, रैपिड रेल और मेट्रो जैसी परियोजनाओं ने इस दूरी को महज 45-50 मिनट में समेट दिया है। सीएम योगी ने कहा कि लगभग 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। मुख्यमंत्री ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित हो रहे आधुनिक भारत की नई पहचान बताया। मुख्यमंत्री यहां नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो विस्तार कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे, वंदे भारत, अमृत भारत ट्रेनों और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के माध्यम से एक शहर को दूसरे शहर से तेज, सुरक्षित और अत्याधुनिक ढंग से जोड़ा जा रहा है। इससे न केवल आवागमन सुगम

हुआ है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा गौतमबुद्ध नगर में नए औद्योगिक संयंत्र की आधारशिला रखी गई है, जो भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भारत की प्रगति का प्रतीक है। हाल में आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के अनेक देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रतिनिधियों ने भारत की विकास यात्रा की सराहना की है। मुख्यमंत्री ने डिजिटल इंडिया की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज 140 करोड़ से अधिक लोगों को डिजिटल पहचान मिली है और अरबों डॉलर के डिजिटल लेन-देन हो रहे हैं। यह प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और वंचितों को प्राथमिकता देने वाली नीति का परिणाम है, जिसके तहत बिना भेदभाव के गरीब, किसान, नौजवान और समाज के हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले बड़े प्रोजेक्ट्स की नियमित समीक्षा की परंपरा नहीं थी, लेकिन अब बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठकों के माध्यम से समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। पिछले दस वर्षों में देश में बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में देश का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निमार्णाधीन है, जो शीघ्र ही तैयार होकर प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देगा। साथ ही उत्तर प्रदेश में खेल विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षणिक व औद्योगिक परियोजनाएं भी तेजी से आकार ले रही हैं।

सार संक्षेप

शरद पवार की फिर बिगड़ी तबियत : पुणे के अस्पताल में कराया गया भर्ती

पुणे। एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार को रविवार को फिर से अस्पलात में भर्ती कराया गया है। सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। सुप्रिया सुले ने पोस्ट में लिखा कि हम बाबा को आगे की जांच और हाइड्रेशन के लिए पुणे के रूबी हॉल अस्पताल में भर्ती करा रहे हैं। सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का धन्यवाद। इससे पहले 9 फरवरी को शरद पवार को गंभीर खांसी और सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके भतीजे श्रीनिवास पवार ने जानकारी दी थी कि रविवार रात को ये लक्षण बढ़ गए, जिसके चलते उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने का निर्णय लिया गया। रूबी हॉल अस्पताल के प्रमुख पुरवेज ग्रांट ने बताया था कि शरद पवार को खांसी हो रही है। हम जल्द ही उनकी जांच करेंगे और आवश्यक उपचार तय करेंगे। हम उनकी स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर निर्णय लेंगे।

तेल के खेल में एक साथ भारत और रूस

नईदिल्ली। भारत एक बार फिर से पश्चिम एशिया से कच्चे तेल का आयात बढ़ा रहा है, लेकिन रूस की हिस्सेदारी अभी भी काफी ज्यादा है। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव और नियामकीय दिक्कतों के चलते यह तेजी से बदल रहा है। 1-18 फरवरी के दौरान भारत का कुल कच्चे तेल का आयात औसतन 48.50 लाख टन बैरल प्रतिदिन था, जो जनवरी के 52.50 लाख बैरल प्रतिदिन से आठ प्रतिशत कम है। अमेरिका द्वारा रूस की तेल निर्यातकों इकाइयों पर प्रतिबंध लगाने से आयात में यह कमी आई।शिपिंग ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि भारत का रूस का आयात दिसंबर, 2025 में 12.80 लाख बैरल प्रतिदिन से घटकर जनवरी में 12.20 लाख बैरल प्रतिदिन और फरवरी की शुरूआत में लगभग 10.90 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जो महीने-दर-महीने लगभग 10 प्रतिशत कम है। रूस से कितना कच्चा तेल खरीदेगा भारत? रियल-टाइम ग्लोबल कमोडिटी इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स केप्लर में रिफाइनिंग एंड मॉडलिंग के लीड रिसर्च एनालिस्ट सुमित रिटोलिया ने कहा, फरवरी में भारत में रूस का कच्चे तेल का आयात लगभग 10 से 12 लाख बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है ।

देश के 10 राज्यों में गरज के साथ भारी बारिश की संभावना, पहाड़ों पर होगी बर्फबारी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज एक बार फिर मौसम में बड़े बदलाव की चेतावनी दी है। जहां उत्तर भारत में ठंड कमजोर पड़ रही है और तापमान में 2-4 डिग्री की बढ़ोतरी होने वाली है, वहीं दक्षिण भारत में कम दबाव प्रणाली के प्रभाव से भारी बारिश और गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान की संभावना है। 22 फरवरी को मुख्य रूप से दक्षिण तमिलनाडु और दक्षिण केरल में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।इन राज्यों में होगी बारिश भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 22 से 24 फरवरी, 2026 के बीच देश के कई हिस्सों में भारी बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की चेतावनी जारी की है। जिन राज्यों में बारिश की संभावना है उनमें जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना शामिल हैं। 22 और 23 फरवरी को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कुछ जिलों में बारिश की संभावना है। वहीं, उत्तराखंड में 22 फरवरी से 24 फरवरी तक बारिश की संभावना है। दक्षिण भारत में भारी बारिश दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव क्षेत्र के कारण 21-22 फरवरी को तमिलनाडु (दक्षिणी हिस्से), केरल और माहे में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना। गरज-चमक, बिजली गिरने और 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं के झोंके चल सकते हैं। तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 22-24 फरवरी तक हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 21-24 फरवरी तक इसी तरह का मौसम।

असम में चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा बीजेपी में हुए शामिल

नई दिल्ली। असम में चुनावों के पहले कांग्रेस के बड़ा झटका लगा है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। गुवाहाटी में असम बीजेपी अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने दूसरे सीनियर नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल कराया। कुछ दिनों पहले ही बोरा ने इस्तीफा देकर कांग्रेस से 32 साल पुराना नाता खत्म किया था। उन्होंने सीनियर लीडरशिप के साथ मतभेदों को अपने बाहर निकलने का मुख्य कारण बताया। बोरा ने 2006 और 2016 के बीच लगातार दो टर्म तक बिहपुरिया असेंबली सीट का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें अगस्त 2021 में असम कांग्रेस का प्रेसिडेंट बनाया गया था और पिछले साल मई में उनकी जगह लोकसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई को यह पद सौंप दिया गया था।कांग्रेस ने मुझे नजरअंदाज किया- बोरा बीजेपी में शामिल होने के बाद, बोरा ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस को दिया है, लेकिन जब पार्टी के अंदर उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा, तो उन्हें नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा, मैंने राहुल गांधी जैसे नेताओं से बात की, लेकिन किसी ने मेरी बात सुनने या पार्टी की आइडियोलॉजी से जुड़े मुद्दों पर बात करने की जहमत नहीं उठाई। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शुरू में बीजेपी में शामिल होने के इरादे से कांग्रेस नहीं छोड़ी थी।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 16 मौतें

पाकिस्तान: पाकिस्तान की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की। अल-जजीरा के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) और इस्लामिक स्टेट से जुड़े सात कैंपों और ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन था। पाकिस्तान ने कहा, हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क ने कराए। अफगानिस्तानी मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक हमले में नांगरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही

परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए। अब तक सिर्फ चार लोगों को निकाला जा सका है। हमले के समय परिवार सो रहा था, इसलिए उन्हें भागने का मौका ही नहीं मिला। अमेरिकी मानवाधिकार संगठन इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (IHRF) के मुताबिक इसमें 16 लोगों की मौत हो गई। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि, आंकड़ों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अफगानिस्तान बोला- सही समय पर कड़ा जवाब देंगे अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सही समय पर पाकिस्तान को जवाब देने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने इन हमलों को अफगानिस्तान की गोपनीयता नीति का उल्लंघन बताया। अफगान सूत्रों के अनुसार पक्तिका में एक धार्मिक स्कूल पर ड्रोन हमला हुआ और नांगरहार प्रांत में भी कार्रवाई की गई। पाकिस्तान ने कहा है कि उन्होंने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन अफगान स्रोतों के अनुसार नागरिकों को नुकसान हुआ। पाकिस्तान लंबे समय से तालिबान सरकार से मांग करता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे। इस्लामाबाद का आरोप है कि ळळढ अफगानिस्तान से संचालित हो रहा है, जबकि तालिबान इन आरोपों से इनकार करता रहा है। पाकिस्तान की मांग- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तालिबान पर दबाव डाले पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह 2020 में दोहा में अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत तालिबान पर दबाव डाले, ताकि अफगान जमीन का इस्तेमाल दूसरे देशों के खिलाफ न हो। 2020 का दोहा समझौता जिसे अफगानिस्तान में शांति प्रयास भी कहा जाता है। यह अमेरिका और तालिबान के बीच 29 फरवरी 2020 को कतर की राजधानी दोहा में हस्ताक्षरित हुआ था।

ऑपरेशन त्राशी-I : किश्तवाड़ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी ढेर

जम्मू। जम्मू कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर इलाके में रविवार

को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि किश्तवाड़ में चतरू क्षेत्र के पासेरकुट में सुरक्षाबलों ने 'ऑपरेशन त्राशी-क' के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया तथा दो एके-47 राइफलों सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जम्मू कश्मीर पुलिस, खुफिया विभाग और अपने स्वयं के खुफिया स्त्रोतों से प्राप्त विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर, किश्तवाड़ क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें ढेर करने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। इसने कहा, "सीआईएफ (काउंटर इंटेलिजेंस फोर्स) डेल्टा, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की आज पूर्वा करीब 11 बजे दुर्गम इलाके में आतंकवादियों के साथ फिर से मुठभेड़ शुरू हुई।" सेना ने बताया कि जवानों ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। इसने कहा, "तलाश अभी जारी है- जो लोग शांति भंग करने की कोशिश करेंगे, उन्हें कहीं कोई शरण नहीं मिलेगी।" प्रारंभिक जानकारी के हवाले से अधिकारियों ने बताया कि मारे गए दोनों आतंकवादी पाकिस्तानी नागरिक हैं और प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य हैं।

मध्यप्रदेश की 'टाइगर स्टेट' छवि पर दाग, पिछले पांच साल में 147 बाघों की मौत

भोपाल। देश में सर्वाधिक बाघ

होने के कारण मध्य प्रदेश को टाइगर स्टेट कहा जाता है। यहां बाघों की बढ़ती संख्या के बीच बाघों की मौत की घटनाएं चिंता का विषय हैं। सरकार ने कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया के प्रश्न के लिखित जवाब में माना है कि पिछले पांच वर्षों में 147 बाघों की मौत हुई जिसमें शावक भी शामिल हैं। इनमें 87 बाघ आपसी संघर्ष में मारे गए। 16 बाघों की मौत करंट लगने व शिकार के कारण भी हुई। बाघों की सुरक्षा के लिए प्रदेश में स्पेशल फोर्स बनाया जाना प्रस्तावित था लेकिन यह काम भी नहीं हो सका। लिखित उत्तर में सामने आया है कि वर्ष 2018 में बाघ के गणना अनुसार प्रदेश में 526 बाघ बाघिन थे। वर्ष 2022 की बाघ गणना के अनुसार यह संख्या 785 हो गई। इस तरह बाघों की संख्या में 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 से 2025-26 तक 147 बाघ बाधिन और शावकों की मौतें भी हुई हैं। जिसमें वर्ष 2021 व 2022 में 27-27, 2023 में 32, 2024 में 29, व 2025 में 32 बाघों की मौत हुई।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर एफआईआर : भड़के अखिलेश यादव

20 साल पुराना मामला निकालकर अपमानित कर रही सरकार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 20 साल पुराने मामले को निकालकर शंकराचार्य को अपमानित करने की कोशिश कर रही है। सपा कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने कहा कि विचारों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इस स्तर तक जाकर आरोप लगवाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा अगर शिकायतकर्ता किसी अन्य संत के शिष्य हैं, तो मुझसे गलती हुई कि मैंने पूर्व में दर्ज एक मामला वापस

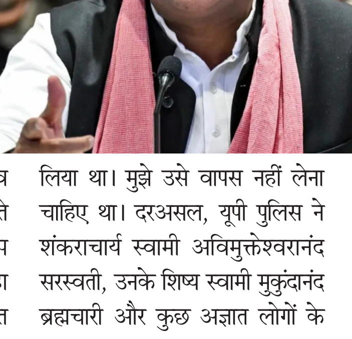

लिया था। मुझे उसे वापस नहीं लेना चाहिए था। दरअसल, यूपी पुलिस ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद ब्रह्मचारी और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ बाल यौन शोषण के आरोपों में एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई न्यायालय के निर्देश के बाद की गई है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि यह पहली बार हुआ जब किसी शंकराचार्य को माघ मेले में गंगा स्नान से रोका गया। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य ठंड के दौरान कई दिनों तक धरने पर बैठे रहे और सरकार ने उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया। यह पूरा घटनाक्रम राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित प्रतीत होता है और सरकार अब जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है। सपा प्रमुख ने भाजपा पर चुनाव से पहले प्रदेश का माहौल खराब करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व में मंदिर में मांस फेंकने जैसी घटनाओं की जांच में भाजपा कार्यकताओं की संलिप्तता सामने आई थी और उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। अखिलेश यादव ने कहा कि सोशल मीडिया पर फर्जी और एडिटेड वीडियो प्रसारित कर समाज में तनाव फैलाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनकी सरकार ने गोमती और हिंडन नदियों की सफाई के लिए योजनाएं शुरू की थीं, लेकिन वर्तमान सरकार विकास कार्यों को आगे नहीं बढ़ा रही। उन्होंने अंडरग्राउंड पाइपलाइन परियोजनाओं को ह्लभ्रष्टाचार की पाइपलाइनह्व करार देते हुए कहा कि बुंदेलखंड से लखनऊ तक अनियमितताएं हो रही हैं। इसकी लागत दोगुनी हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित जापान दौरे पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, जापान जा रहे हैं, लेकिन क्योटो नहीं जा रहे। अखिलेश यादव ने महाभारत के पात्र कर्ण का उल्लेख करते हुए सामाजिक न्याय के मुद्दे पर भी टिप्पणी की और सरकार की नीतियों को लेकर आलोचना की। सपा अध्यक्ष ने कहा कि जनता ने वर्तमान सरकार को मन से अस्वीकार कर दिया है और केवल मतदान का इंतजार है।

17 को एंट्री, 18 को अपहरण-हत्या और 19 को वापसी, गोली मारकर की थी हत्या

इटावा। सीआरपीएफ जवान अभिषेक ने छुट्टी लेकर सुनियोजित तरीके से दोस्त मनीष की गोली मारकर हत्या की और शव को रेलवे ट्रैक पर फेंककर इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। पोस्टमार्टम में गोली लगने की पुष्टि हुई है। इटावा जिले में सीआरपी जवान अभिषेक ने सुनियोजित तरीके से मनीष का अपहरण करके हत्या की है। पुलिस की जांच में पता चला है कि जालंधर बेस कैंप से छुट्टी लेकर 17 फरवरी को अभिषेक घर आया था। 18 को उसने अपने दोस्तों के साथ अपहरण करके मनीष की हत्या की और 19 को मनीष के शव को रेलवे ट्रैक किनारे फेंककर आरोपी जालंधर रवाना हो गया था। मनीष और अभिषेक साथ में ही कई वर्षों से कोचिंग पढ़ रहे थे। दोनों फोर्स में भर्ती होना चाहते थे। पढ़ने के दौरान ही उनका प्रेम प्रसंग शुरू हो गया था।

2025 में आई भर्ती में अभिषेक की बहन का चयन हो गया था, जबकि मनीष सफल होने से रह गया था। अभिषेक को बहन के प्रेम प्रसंग के बारे में पता चल गया था। मनीष और उसकी बहन मिलते भी थे। यह अभिषेक को अच्छा नहीं लगता था। बताते हैं कि अभिषेक ने कई बार समझाया था, लेकिन दोनों मानने को राजी नहीं थे। मेडिकल स्टोर संचालक की थी कार इससे परेशान होकर अभिषेक ने हत्या की योजना बनाई थी। वह योजना के तहत ही 17 फरवरी को जिले में आया था। उसके बाद 18 को अपने दोस्त विपिन और दीपक को साथ लिया। इसके बाद सुबह कोचिंग के लिए निकले मनीष जो अपनी साइकिल खड़ी करने के बाद का गांव के बाहर वाहन का इंतजार कर रहा था। उसे लिफ्ट देने के बहाने उठाकर ले गए थे। एसएसपी ने बताया कि अपहरण में उपयोग की गई कार शास्त्री चौराहे पर स्थित एक मेडिकल स्टोर संचालक की थी। इसे अभिषेक का दोस्त दीपक चलाता था और अपने साथ ही घर ले जाता था। अपहरण के बाद आरोपी मनीष को संतोषपुर घाट में ले गए। यहां उसकी हत्या कर दी। फिर उसके शव को लेकर आरोपी घूमते रहे। 19 फरवरी को हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए बोरी में मनीष का शव रेलवे ट्रैक पर फेंक गए थे। शव को ठिकाने लगाने के बाद रात में ही जालंधर के लिए रवाना हो गया था। मनीष और अभिषेक की बहन दोनों ही लंबे समय से फोर्स में जाने के लिए तैयारी कर रहे थे। बताते हैं कि अभिषेक की बहन का बीएसएफ में चयन हो गया था। करीब चार महीने नौकरी करने के बाद अभिषेक की बहन ने बीएसएफ की नौकरी छोड़कर पुलिस विभाग ज्वाइन कर लिया था। हालांकि, मनीष का चयन नहीं हो पा रहा था। पोस्टमार्टम में गोली मारकर हत्या की पुष्टि एसएसपी ने बताया कि पांच डॉक्टरों के पैनल से मनीष का पोस्टमार्टम कराया है। पैनल में तीन सैफई के डॉक्टर और दो जिला अस्पताल के डॉक्टर शामिल थे। अभी तक गोली मारकर हत्या करने की बात बताई गई है। 19 दिन पूर्व मनीष की अभिषेक की बहन से हुई थी बात पुलिस जांच में निकलवाई गई सीडीआर में पता चला है कि मनीष की अभिषेक की बहन से अंतिम बात दो फरवरी को हुई थी। पुलिस को संदेह है कि अभिषेक के विरोध के बाद शायद फोन पर बात न होकर किसी अन्य माध्यम से बात होती है। 18 फरवरी को मनीष अपने साथ मोबाइल भी लेकर नहीं गया था। वह अपने साथ सिर्फ टेबलेट लेकर गया था। फिलहाल जांच की जा रही है। गुमशुदगी दर्ज होने से पहले ही कर दी थी हत्या एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मनीष के परिजनों ने 18 फरवरी को रात लगभग 08:86 मिनट पर भरथना कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बताया कि जांच में पता चला है कि आरोपियों ने इससे पहले ही मनीष की हत्या कर दी थी।

टैंकर और पिकअप की आमने-सामने टक्कर, चालक केबिन में बुरी तरह फंसा

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के कोरी गांव स्थित रिंग रोड पर शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें टैंकर और पिकअप की आमने-सामने टक्कर के बाद पिकअप चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन की मदद से चालक को बाहर

निकालकर अस्पताल पहुंचाया। झांसी के चित्रकूट निवासी शत्रुघ्न सिंह (35 वर्ष) पिकअप पर मुजफ्फरपुर से प्लाईवुड लादकर वाराणसी की ओर जा रहा था। इसी बीच अलीनगर निवासी डब्लू चौहान (34 वर्ष) तेल खाली कराकर आजमगढ़ से अपने डिपो अलीनगर लौट रहा था। दोनों वाहन जब कोरी गांव के पास रिंग रोड के ओवरब्रिज पर पहुंचे, तभी आमने-सामने की तेज भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। हादसे में टैंकर चालक और खलासी शिव कुमार (35 वर्ष) भी आंशिक रूप से घायल हुए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन से काट-छांट कर पिकअप चालक को किसी तरह बाहर निकाला। तीनों घायलों को एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां गंभीर रूप से घायल पिकअप चालक का इलाज जारी है। टैंकर चालक और खलासी को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया।

इंजेक्शन लगते ही दो बुखार पीड़ितों की मौत, झोलाछाप डॉक्टर घटना के बाद फरार

कानपुर। बिल्हौर और चौबेपुर में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा बुखार के मरीजों को गलत इंजेक्शन लगाने से दो लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस फरार क्लीनिक संचालकों की तलाश कर रही है। कानपुर में बिल्हौर कस्बे के रहमतनगर और बोझा गांव में दो बुखार पीड़ितों की गलत इंजेक्शन लगाने से मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजन ने ग्रामीणों संग मिलकर झोलाछाप क्लीनिक संचालकों पर गलत इलाज का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को

शांत कराने का प्रयास कर रही थी लेकिन खबर लिखे जाने तक परिजन कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। थानाक्षेत्र के बोझा गांव के दिनेश गौतम (58) को दो दिन से बुखार आ रहा था। परिजन उन्हें भौसाना गांव स्थित मेडिकल स्टोर व क्लीनिक संचालक के पास लेकर गए थे। बड़े भाई अविनाश का आरोप है कि रुपये ऐंठने और बुखार जल्दी उतारने के लिए मेडिकल स्टोर संचालक चमन ने दिनेश को गलत इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद दिनेश की मौत हो गई। झोलाछाप क्लीनिक संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग इसकी जानकारी मिलने पर गांव के लोग भी मौके पर पहुंच गए और परिजन संग हंगामा करने लगे। इसी दौरान क्लीनिक संचालक चमन मौके से भाग गया।

चार महीने पहले सौंप दी गई थी जांच रिपोर्ट, अब तक रिकवरी हुई न कार्रवाई

बस्ती। जिले के कप्तानगंज ब्लॉक के ग्राम पंचायत पटखौली में विकास कार्यों में गड़बड़ी की पुष्टि हुई है। शिकायत की जांच पूरी होने के चार माह बाद भी अभी तक जिम्मेदार न तो रिकवरी करवा सके न ही कार्रवाई किए, इससे शिकायतकर्ता ने फिर से सवाल किया है। बताया गया कि जांच अधिकारियों ने रिपोर्ट अक्तूबर 2025 में ही डीएम को रिपोर्ट सौंप दी थी, मगर अभी तक कार्रवाई में लेटलतीफी की जा रही है। बताया गया कि उस जांच रिपोर्ट के सापेक्ष कार्रवाई नहीं की गई। उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम की अध्यक्षता वाली टीम में सहायक अभियंता आरईडी व जिला लेखा परीक्षा अधिकारी सहकारी समितियों ने डीएम को भेजी रिपोर्ट में शिकायत, उसके सापेक्ष जांच कर आख्या दी गई है। जांच आख्या में कहा कि गांव के विजय कुमार यादव निवासी सेमरा पोस्ट दुबौली दूबे ने शिकायत किया था कि ग्राम पंचायत पटखौली राजा में प्रधान और सचिव ने विकास कार्य में गड़बड़ी की है। इसपर डीएम ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की थी। जांच टीम ने कहा कि शिकायती प्रकरण से संबंधित अभिलेख एवं शिकायती बिंदुओं के संबंध में साक्ष्य सहित उत्तर की मांग सचिव व प्रधान से की गई, परंतु इन लोगों ने वांछित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराया। अपना उत्तर भी प्रस्तुत नहीं किया। बार-बार लिखित रूप से अभिलेख मांगने के बाद सचिव व प्रधान का उत्तर अपर्याप्त है। इस पर जांच टीम ने अक्तूबर 2025 में ग्राम पंचायत पटखौली राजा पहुंच कर स्थलीय जांच किया था।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अदालत के आदेश का स्वागत किया

वाराणसी। प्रयागराज की विशेष पोक्सो अदालत ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरि के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों में पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। शंकराचार्य ने इसे उचित बताते हुए कहा कि जांच और गवाही पूरी होगी,

पूरा मामला झूठा साबित होगा। प्रयागराज की अदालत के मुकदमा दर्ज किए जाने के आदेश का स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मुकदमा दर्ज होगा तो जांच आगे बढ़ेगी। जांच के बाद सब साफ हो जाएगा। सच्चाई सामने आ जाएगी। मामले में देशभर की निगाह है इसलिए जांच और अदालत की प्रक्रिया जल्द निपटाई जानी चाहिए। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मामले की जांच जल्द पूरी की जाए। जांच में जो फर्जी है वो तो फर्जी ही सिद्ध होगा। सनातन के ऊपर आरोप किसी विधर्मी ने नहीं लगाया है। आरोप लगाने वाला हिस्ट्रीशीटर है। उसकी हिस्ट्रीशीट खुली है। थाने की दीवार पर टंगे बोर्ड पर उसका नाम है। उसका काम ही लोगों पर फर्जी मुकदमा करा धन उगाही करना है। ऐसा व्यक्ति रामभद्राचार्य का शिष्य बन जाता है। उनका शिष्य बनने के बाद वह व्यक्ति हम लोगों पर आरोप लगाता है। इससे जाहिर है कि यह आरोप कोई विधर्मी नहीं लगा रहा। रामभद्राचार्य का बल कहां से आता है यह सबको पता है। गोवंशों की हत्या का जो मामला उठाया जा रहा है, उसे बंद कराने के सारे प्रयत्न किए जा रहे हैं। उसी में से एक प्रयत्न यह भी है। मुकदमा दर्ज होगा तभी सही जांच होगी। बिना जांच के मामला बंद होगा तो भी आरोप लगेंगे इसलिए जांच होना जरूरी है आरोप लगाने वाले ने दो हलफनामे लगाए हैं। इनमें एक फर्जी है। यह मामला ऐसे भी हमारे पक्ष में है। चिंता वो करें जिन्होंने फर्जी मुकदमा किया है। हमारे ऊपर जो आक्षेप लगे हैं हम आम आदमी की तरह उसका खुल कर सामना करेंगे। हम आदित्यनाथ नहीं हैं। कोर्ट से यह अपील नहीं करेंगे कि मेरे ऊपर से मुकदमा हटा लीजिए। पहली नजर में हमें न्याय मिलाः शिकायतकर्ता आशुतोष पांडे शिकायत करने वाले आशुतोष पांडे ने कहा कि आज कोर्ट ने अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद जैसे जघन्य अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश उन नाबालिग बच्चों के लिए जारी किया गया है। पहली नजर में हमें न्याय मिला है। अविमुक्तेश्वरानंद छोटे बच्चों के साथ अश्लील हरकतें, यौन अपराध करता था। एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने के साथ ही कोर्ट ने हमारे दिए गए सबूतों की जांच का भी आदेश दिया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ इन धाराओं में एफआईआर दर्ज की मांग एक विशेष पॉक्सो अदालत ने शनिवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश बच्चों के यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए दिया गया है। झूंसी पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी को यह प्राथमिकी दर्ज करनी होगी। पिछले सप्ताह, विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) विनोद कुमार चौरसिया की अदालत ने इस मामले पर अपना निर्णय सुरक्षित रखा था। आशुतोष पांडे और अन्य द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा 173(4) के तहत एक आवेदन दायर किया गया था। अदालत ने साक्ष्यों की जांच की और पीड़ित 'बटुक' कहे जाने वाले बच्चों के बयान दर्ज किए।

भरोसा दिलाने की गारंटी में लेते थे चेक, काम होने के बाद लेता था पेमेंट

कानपुर। मार्कशीट माफिया शैलेंद्र ओझा पोस्ट डेटेड चेक की गारंटी पर फर्जी डिग्री का धंधा चलाता था, जहां काम पूरा होने के बाद ही नकद भुगतान लिया जाता था। इसी अनूठी कार्यशैली और पहले काम, फिर दाम के भरोसे के कारण वह वर्षों तक बिना किसी शिकायत के पुलिस की नजरों से बचा रहा। घर बैठे नौ राज्यों के 14 नामी विश्वविद्यालय की डिग्री और डिप्लोमा महज सात दिन में दिलाने वाला आरोपी शैलेंद्र कुमार ओझा फिलहाल जेल में है। वह इतने साल तक बिना किसी शिकायत और पुलिस की नजर में आए सिर्फ इसलिए खेल करता रहा, क्योंकि उसने और उसके साथियों ने अलग ही कार्यशैली अपना रखी थी। हर कार्य होने के बाद ही राशि ली जाती थी। केवल पोस्ट डेटेट चेक लिया जाता था। रुपये मिलने के बाद ही उसे लौटा देते थे। पुलिस अधिकारियों और एसआईटी सूत्रों ने बताया कि शैलेंद्र और उसके साथियों ने इस धंधे में भरोसा बना लिया था। वह डिग्री और मार्कशीट का सौदा करते समय उन्हें एक निश्चित धनराशि बता देते

थे। इस धनराशि को वह काम होने के बाद देने की बात कहते थे। हालांकि रकम की एक पोस्ट डेटेड चेक ग्राहक से ले ली जाती थी । शर्त यह थी की पोस्ट डेटेड चेक छात्र या उसके पिता के बैंक खाते की होनी चाहिए। छापे के दौरान कई पोस्ट डेटेड चेक मिलीं थीं ग्राहकों को भरोसा दिया जाता था कि काम होने के बाद नकद भुगतान होने पर उन्हें मार्कशीट या डिग्री मिल जाएगी। उस समय उन्हें चेक लौटा दी जाएगी। चेक सिर्फ गारंटी के तौर पर ली जाती थी। इसे देने में ग्राहक भी कोई आपत्ति नहीं करते थे। इसी तरह आरोपी शैलेंद्र भी विश्वविद्यालय के बाबुओं को लाखों रुपये के ब्लैंक चेक देता और बाद में उन्हें नकद भुगतान करता। पुलिस को जूही गौशाला स्थित उसके कार्यालय में छापे के दौरान कई पोस्ट डेटेड चेक मिलीं थीं। पांच टीमों में बंटकर काम करेगी एसआईटी किदवई नगर पुलिस ने मार्कशीट खरीदे बेचे जाने के गिरोह का राजफाश किया है, लेकिन प्रकरण की जांच 14 सदस्यीय एसआईटी को मिली है। यह पांच टीमों में बंटकर जांच करेगी। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने शुक्रवार को एसआईटी का गठन किया। नेतृत्व एडीसीपी साउथ योगेश कुमार करेंगे। टीम में उनके अलावा एक एसीपी और क्राइम ब्रांच के तीन इंस्पेक्टर शामिल है, जबकि छह सब इंस्पेक्टर और तीन सिपाही भी इसमें शामिल है। सदस्यों को नहीं पता थी एक-दूसरे की जिम्मेदारियां मार्कशीट और डिग्रियां बेचने के इस खेल में गिरोह के सभी सदस्यों के लिए शैलेंद्र ने अलग भूमिका तय कर रखी थी। हर व्यक्ति को एक या एक या दो यूनिवर्सिटी व बोर्ड की जिम्मेदारी दी गई थी। कौन किस बाबू से काम कराता है। यह या तो उस व्यक्ति को पता होता या सिर्फ शैलेंद्र को ।

मंडलीय शाक भाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में दिखी उन्नत खेती की तस्वीर

वाराणसी। वाराणसी में शनिवार को शाक-भाजी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मंत्री रविंद्र जायसवाल ने किया। मंत्री के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और खूब सराहा। वाराणसी जिले में उद्यान विभाग की ओर से आयोजित शाकभाजी फल एवं पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन कचहरी के कंपनी बाग में शनिवार को हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन मंत्री रविंद्र जायसवाल ने फीता काटकर किया। इस दौरान मंत्री रविंद्र जायसवाल

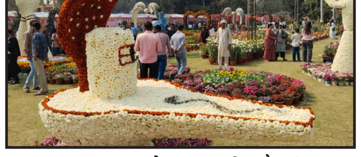

ने कहा कि फल और फूल के बिना जीवन ही नहीं है। हर काम में फल और फूल की जरूरत पड़ती है। एक बच्चे का जन्म होने से लेकर शादी और फिर अंत तक फल-फूल की जरूरत पड़ती है। इसे उगाने वाले किसानों को सलाम। मंत्री के साथ कमिश्नर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और खूब सराहा। इस दौरान फूलों से बने कलाकृति आकर्षण का केंद्र बने रहे। इस दौरान तरह- तरह के सब्जी, फूलों और फलों की प्रदर्शनी लगाई गई। उद्यान विभाग की ओर से कचहरी स्थित कंपनी बाग में लगे दो दिवसीय मंडलीय शाक- भाजी, फल और पुष्प प्रदर्शनी में शहरवासियों की भीड़ दिनभर लगी रही।

संक्षिप्त खबरें

अमन-चैन और बरकत के लिए रोजेदारों ने की इबादत

नगर बाजार। माह-ए-रमजान के पवित्र पर्व पर अकीदतमंदों ने अल्लाह की इबादत में रोजा रखने का क्रम जारी है। इस दौरान रोजेदार अमन-चैन और बरकत के लिए अल्लाह की इबादत पूरे उत्साह से कर रहे हैं। मुस्लिम समुदाय के विद्वान और उलेमा के अनुसार, रोजा रखना सिर्फ भूख-प्यास का नाम नहीं, बल्कि अल्लाह की तरफ से मिलने वाली सबसे बड़ी नेमतों में से एक है। जिसकी फजीलत कुरआन-ए-पाक और हदीस में बार-बार बयान की गई है। कुरआन-ए-करीम में अल्लाह फरमाते हैं। ऐ ईमान वालों तुम पर रोजे फर्ज किए गए, जैसे तुमसे पहले वालों पर फर्ज किए गए थे। ताकि तुम परहेजगारी हासिल करों। इस आयत से साफ है कि रोजे का असली मकसद इंसान को गुनाहों से बचाना और अल्लाह का डर पैदा करना है। रमजान में रोजा 19 फरवरी को रखा गया। इसके बाद रोजेदार सहरी-इफ्तार, तरावीह और कुरआन तिलावत में मशगूल हैं। मौलाना जकीउल कादरी ने कहा कि कि रोजा अल्लाह के लिए खास है। अल्लाह फरमाते हैं रोजा मेरे लिए है और मैं ही इसका बदला दूंगा। यह हदीस बताती है कि रोजे में कोई दिखावा नहीं हो सकता है। इसलिए इसका अज्र बे-हिसाब है।

छात्रवृत्ति संबंधी पोर्टल फिर खुला

बस्ती। वित्तीय वर्ष 2025-26 में दशमोत्तर (कक्षा 11-12 को छोड़कर) छात्रवृत्ति योजनान्तर्ग वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए समस्त वर्गों के छात्रों के लिए पोर्टल खोला जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव ने बताया कि इसमें छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति भुगतान के लिए संशोधित समय सारिणी निर्गत करते हुए विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेंसी की ओर से वास्तविक छात्रों का सत्यापन व अपात्र छात्र, पाठ्यक्रम व संस्था को ब्लॉक किए जाने के लिए 21 फरवरी से 27 फरवरी तक के निर्देश दिये गए है, जिससे पात्र छात्र-छात्राओं को समय सारिणी में निर्धारित तिथि तक निदेशालय स्तर से छात्रवृत्ति धनराशि के भुगतान की कार्रवाई की जा सकें।

चीनी मिल पर 187वें दिन भी धरना जारी

वाल्टरगंज। गोविंद नगर शुगर मिल गेट पर शनिवार को 187वें दिन भी धरना जारी रहा। धरने को संबोधित करते हुए श्रमिक नेता महेश पांडेय, वीरेंद्र चौधरी, राम लखन शुक्ल ने कहा कि मिल प्रबंधन जिला प्रशासन के निर्देशों का पालन नहीं कर रहा है। 21 जनवरी को जिला प्रशासन और मिल के प्रतिनिधियों के साथ धरनारत श्रमिकों से वार्ता के क्रम में आश्वासन दिया गया था कि वेतन सहित अन्य देय के संबंध में पांच प्रतिशत भुगतान एक सप्ताह के अंदर कर दिया जाएगा, मगर अब तक भुगतान नहीं किया गया। इस दौरान अंगद वर्मा, शोविंद चौधरी, राम शरन मौर्य, कमलेश पटेल आदि श्रमिक व किसान मौजूद रहे।

कृषकों को दिया गया फसल बीमा क्षतिपूर्ति

बस्ती। कृषि विज्ञान केंद्र बंजरिया में शनिवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्षतिपूर्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से लखनऊ में वितरित किए जा रहे क्षतिपूर्ति कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडीओ सार्थक अग्रवाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा ने की। कार्यक्रम में जनपद के सभी तहसीलों और विकास खंडों के राजकीय कृषि बीज भंडारों पर भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस मौके पर सिंचाई बंधु के उपाध्यक्ष गजेंद्र त्रिपाठी, जिला कृषि अधिकारी डॉ. बाबू राम मौर्य, जिला कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा, कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष एसके तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विनोद कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेला 26 को

बस्ती। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कटरा में 26 फरवरी को एकदिवसीय रोजगार मेला का आयोजन सुबह 11 बजे से होगा। इस मेले में रोडवेज बस्ती डिपो के एआरएम भर्ती अधिकारी होंगे और संविदा चालक के रिक्त ड्राइवर पद के लिए साक्षात्कार के माध्यम से कैम्पस भर्ती करेंगें। शैक्षिक योग्यता कम से कम कक्षा आठ पास, लंबाई पांच फुट तीन इंच, अनुभव लाइसेंस हैवी वाहन चलाने का न्यूनतम दो वर्ष का। आयु सीमा न्यूनतम 23 वर्ष छह माह से ऊपर होनी चाहिए। मानदेय 2.20 पैसा प्रति किलोमीटर, 6000 से अधिक किलोमीटर एवं 25 दिन के संचालन पर चार हजार का अतिरिक्त प्रोत्साहन देय होगा। साथ ही नाइट भत्ता एवं टारगेट से अधिक आय पर अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। जाबसीकर सेवायोजन पोर्टल पर भी विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

मारपीट के आरोप में तीन पर एफआईआर

बस्ती। लालगंज थानाक्षेत्र के कल्यानपुर गांव में हुई मारपीट के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। गांव की रहने वाली अन्नू त्रिपाठी ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि 11 फरवरी को दोपहर करीब दो बजे कुदरहा बाजार से वे अपने बेटे अभिनव के साथ घर जा रही थी। तभी रंजिशन विपक्षियों ने बेटे को अपशब्द कहा। विरोध करने पर आरोपी अक्षय उर्फ प्रतीक ने घर में घुसकर बेटे को मारापीटा। पुलिस ने इसी गांव के अक्षत उर्फ प्रतीक, कमलदेव और परशुराम पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख की ठगी का आरोप

नगर बाजार (बस्ती)। ग्राम विकास अधिकारी की नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोपी सोनहा थाना क्षेत्र के अखिलेश चौधरी और जयप्रकाश नाम-पता अज्ञात बनाए गए हैं। पुलिस दोनों की तलाश में जुट गई है।नगर थाना क्षेत्र के ग्राम कुसमौर निवासी दिनेश कुमार ने आरोप लगाया है कि उसकी जान-पहचान सोनहा थाना क्षेत्र के ग्राम परसा लगड़ा निवासी अखिलेश चौधरी से थी। बातचीत के दौरान बताया कि उसकी सचिवालय में तैनात जयप्रकाश से है। वह सरकारी नौकरी लगवा देगा। बदले में विभिन्न तिथियों को 15 लाख रुपये ले लिए।

फर्जी फोन-पे से बाइक एजेंसी मालिक से 8.45 लाख रुपये की ठगी

गौर। थाना क्षेत्र के हलुआ बाजार में एक बाइक एजेंसी मालिक ने फर्जी फोन पे के माध्यम से दो लोगों ने 8.45 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया है। मामले में एजेंसी मालिक ने गौर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।ग्राम हलुआ निवासी नीलम वर्मा पुत्री राम सुरेश ने शनिवार को गौर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि हलुआ बाजार में उसकी बाइक एजेंसी है, वहां गांव के दो लोग हमेशा आते-जाते हैं। दिसंबर 2025 में वह एजेंसी से एक नई बाइक खरीद कर ले गए। फोन-पे के माध्यम से भुगतान किया, मगर रकम एजेंसी के खाते में नहीं आया। उस समय लेनदेन व अन्य कार्यों को देख रही नीलम को पैसा भेजने का स्क्रीन शॉर्ट दिखा दिए। वह व्यक्ति दोबारा एक अन्य शख्स को गाड़ी खरीदने का भुगतान किया और फर्जी फोन-पे का स्क्रीन शॉर्ट दिखाकर चला गया। इसके बाद वह व्यक्ति कई बार नगद रुपये ले लेता था और खाते में रकम भेजने का फोन पे का फर्जी स्क्रीन शॉर्ट दिखा देता था।

राजधानी में संजू बाबा बोले, ओए मामू, बात सुन,पौधा लगाने का, पानी बचाने का

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ में रविवार को मुंबई से संजू बाबा (संजय दत्त) पहुंचे। उन्होंने लखनऊ के युवाओं से कहा ओए मामू, बात सुन। जितने भी मामू यहां खड़े हैं न? सब बात सुनने का। जिंदगी में दो काम करने का। एक- पौधा लगाने का, दूसरा-पानी बचाने का। अगर ये नहीं किया तो.. नहीं किया तो खुद की वाट लगाने का। एक्टर संजय दत्त ने सरोजनी नगर विधायक डॉक्टर राजेश्वर सिंह के बुलावे पर लखनऊ पहुंचे हैं। यहां उन्होंने पर्यावरण प्रेमियों को सम्मानित किया। आशियान के बंगला बाजार में इसके लिए नेट जीरो कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पहुंचने के लिए संजय दत्त ने 1 किलोमीटर का रोड शो किया। रोड के शो के लिए संजय दत्त जैसे ही खुली जीप पर सवार हुए तो फैंस बेकाबू हो गए। उन्हें संभालने के लिए पुलिस का पसीना छूट गया। पूरे रास्ते संजय दत्त पर बारिश करते रहे। सड़क किनारे घरों की छतों से भी फैंस ने गुलाब बरसाए। संजय दत्त ने हाथ हिलाकर सबका अभिवादन स्वीकार किया। संजय दत्त ने 21 फरवरी को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह के साथ की तस्वीर शेयर की थी।

मेले में हुईं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नशा भारत मुक्त का दिया संदेश

ग्वालियर। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण और संस्कार भारती की ओर से ग्वालियर व्यापार मेले में शुक्रवार को नृत्यांगना डॉ. अंजना झा के नेतृत्व में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। यह प्रस्तुति शास्त्रीय कथक की पारंपरिक गरिमा और राष्ट्रभक्ति की ओजस्वी भावना का अद्भुत समन्वय रहा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में कामाक्षी शर्मा, संजना भरद्वाज, साक्षी अरोरा, अनन्या सिंह, याशी दुबे, शिवानी कुशवाह, हर्षिता पोल, नंदनी जारोनिया, नेहा जारोनिया और सौम्य श्रीवास्तव ने शानदार प्रस्तुति दी। इस मौके पर नृत्य के माध्यम से सामाजिक समरसता, नशा मुक्ति, नागरिक दायित्वों का निर्वहन विषय पर नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में डॉ. हिमांशु द्विवेदी के निर्देशन में बुंदेली स्वांग का नाटक पंडा बाबा की प्रस्तुति हुई। इस नाटक में कलाकारों ने नशा मुक्त भारत, नागरिक दायित्व और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। पंडा बाबा की भूमिका अमन व्यास ने निभाई।

रासेयो व्यक्तित्व विकास करता है

ग्वालियर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय श्यामलाल पांडवीय महाविद्यालय द्वारा ऋषि गालव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरार में आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के दूसरे दिन बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता जिला संगठक डॉ. मनोज अवस्थी उपस्थित रहे। व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण विषय पर और राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी शिविर एवं शिविर के नियम सभी विद्यार्थियों को विस्तार से व्याख्यान दिया गया साथ ही सभी विद्यार्थियों को स्लोगन, गीत जय जगत जय जगत पुकार जा का गायन करवाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ऋतिक नरवरिया ने की। अंत में वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान जन गण मन का गायन कराया गया। संचालन स्वयंसेविका प्रियांशी शर्मा ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रदीप सिंह भदौरिया ने आभार व्यक्त किया।

पेंशनर्स दल हरियाणा के लिए रवाना

ग्वालियर। ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट पेंशनर्स फेडरेशन का राष्ट्रीय अधिवेशन 22 और 23 फरवरी को कुरुक्षेत्र हरियाणा में आयोजित किया जा रहा हैं। शासकीय सेवानिवृत पेंशनर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश भोपाल का 10 सदस्यीय दल शनिवार को कुरुक्षेत्र हरियाणा के लिए रवाना हुआ। इस दल में जिसमें वीरेंद्र शर्मा प्रांताध्यक्ष इंदौर, अशोक भार्गव वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष भोपाल, डॉ. विजय सिंह मौर्य शिवपुरी, अरविंद शुक्ला, आनंद स्वरूप मिश्रा, बृजमोहन त्रिवेदी, नीता शर्मा, नीलम मिश्रा, माया मौर्य एवं राज कुशवाह ग्वालियर शामिल रहे। अधिवेशन में मुख्य मुद्दा पेंशन बचाओ अभियान रहेगा। आठवां वेतन आयोग पेंशनरों के लिए लागू किया जाए। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री के नाम समस्त पेंशनर बंधु पोस्टकार्ड अभियान चला कर ज्ञापन देंगे।

अमरनाथ यात्रा की तैयारियों के लिए दल रवाना

ग्वालियर। श्री बाबा बर्फानी हर हर महादेव सेवा समिति ग्वालियर ने अमरनाथ यात्रा के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में समिति का पांच सदस्यीय दल शुक्रवार को श्रीनगर के लिए रवाना हुआ। यह दल श्राइन बोर्ड के अधिकारियों से चर्चा करेगा। यह जानकारी समिति के पन्नालाल गौड़ एवं गौरव नागवानी ने दी।

'सप्तशक्ति संगम' समारोह का समापन आज

ग्वालियर। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन में विद्या भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा इस वर्ष मातृशक्ति केंद्रित विशेष कार्यक्रम 'सप्तशक्ति संगम' का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत पूरे प्रांत में 6 हजार से अधिक संगोष्ठियों का आयोजन हुआ। इसी श्रृंखला में 'सप्तशक्ति संगम' समारोह का समापन 22 फरवरी रविवार को दोपहर 2:30 बजे बाल भवन में होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बालिका शिक्षा, विद्या भारती अभा शिक्षा संस्थान की संयोजिका सुश्री रेखा चूड़ासमा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सूचना आयुक्त डॉ. वंदना गांधी होंगी। अध्यक्षता महारानी लक्ष्मीबाई शारीरिक शैक्षणिक संस्थान की कुलगुरु डॉ. कल्पना शर्मा करेंगी।

अशोक नादान को दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। साहित्य साधना संसद की ओर से शुक्रवार को संगीतज्ञ एवं कवि अशोक नादान को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर संसद के महामंत्री शैवाल सत्यार्थी ने कहा कि अशोक नादान श्रेष्ठ कवि थे। उन्होंने कहा वे अपने उपनाम से ही नादान थे, सही अर्थ में तो वह महान थे। श्रद्धांजलि देने वालो में डॉ. कृष्णमुरारी शर्मा, डॉ. भगवान स्वरूप 'चैतन्य', घनश्याम भारती, पुष्पा सिसौदिया, डॉ. उर्मिल त्रिपाठी, कादम्बरी आर्य, डॉ.नरेन्द्रनाथ लाहा, राजकिशोर वाजपेयी, बीएल शर्मा, संगीता गुप्ता, व्याप्ति उमड़ेकर, श्वेता गर्ग आदि शामिल रहे।

सिपाही बनने के लिए 5500 युवा लगाएंगे दौड़, 300 पुलिसकर्मी करेंगे निगरानी

नवआरक्षकों की भर्ती के लिए 23 फरवरी से एसएएफ ग्रांउड पर प्रक्रिया शुरू होगी

ग्वालियर

नवआरक्षकों की शारीरिक प्रवीणता परीक्षा(पीपीटी)23 फरवरी से शुरू हो जाएगी। ग्वालियर के चौदहवीं बटालियन मे आयोजित इस परीक्षा में करीब 5500 युवा आने की संभावना है। भर्ती प्रक्रिया के लिए एसएएफ के करीब 300 पुलिस जवान और अधिकारियों को तैनात किया गया है। यही लोग इन युवाओं की दौड, गोला फेंक और लंबी कूद कराएगे। भर्ती प्रक्रिया पर कोई सवाल न खड़े हो इसके लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

प्रदेश भर में नवआरक्षकों के करीब साढ़े सात हजार पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया की जा रही है। लिखित पेपर होने के बाद अब शारीरिक प्रवीणता परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। जिसके अध्यक्ष डीआईजी अमित सांघी को बनाया गया है। उनकी निगरानी मे यह परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। ग्वालियर मे चौदहवीं बटालियन में पीपीटी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

इसके लिए एसएएफ मैदान पर टेंट, लाइट, सीसीटीवी कैमरे, मैदान साफ सहित अन्य तैयारियां पूरी कर ली गई है। चौदहवी बटालियन के कमांडेंट संजीव सिन्हा ने जाकर मौका मुआयना किया। साथ ही इस प्रक्रिया के लिए तैनात किए जवान और अधिकारियों से चर्चा भी की।

आज होगी रिहर्सल

पीपीटी परीक्षा शुरू होने से पहले एसएएफ मैदान पर रविवार को रिहर्सल की जाएगी। इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष डीआईजी अमित सांघी, कमाडेंट संजीव सिन्हा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहेगी। एसएएफ जवानों को उम्मीदवार बनाकर रिहर्सल कराई जाएगी। चेक किया जाएगा कि कही कोई कमी तो नहीं है।

यह होगा पीपीटी परीक्षा में

पीपीटी परीक्षा में आने वाले उम्मीदवारों को 800 मीटर की दौड़ कराई जाएगी। इसके अलावा गोला फेंक, लंबी कूद भी होगी। गोला फेंक और लंबी कूद मे तीन-तीन मौके दिए जाएंगे।

हर दिन 400 उम्मीदवारों की परीक्षा

ग्वालियर मे करीब 5500 उम्मीदवार आने की संभावना है। एसएएफ मैदान पर रोजाना करीब 400 लोगों की पीपीटी परीक्षा होगी। यह भर्ती प्रक्रिया 23 फरवरी से शुरू होकर 14 मार्च तक चलेगी।

इनका कहना है

एसएएफ मैदान पर 23 फरवरी से पीपीटी परीक्षा शुरू हो जाएगी। इसके लिए एसएएफ के करीब 300 पुलिस जवान और अधिकारी तैनात किए गए है। भर्ती प्रक्रिया के लिए पूरे इंतजाम कर लिए गए है।

अमित सांघी, डीआईजी

मंगल के गोचर से बनेगा पंचग्रही योग चार राशियों को मिलेगा विशेष लाभ

ग्वालियर

मंगल ग्रह कुंभ राशि में 23 फरवरी को गोचर करेंगे, जिससे कुंभ राशि में पंचग्रही योग बनेगा जिससे चार राशि प्रभावित होंगी।

ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा के अनुसार ग्रहों के सेनापति मंगल 23 फरवरी को सुबह 11 बजकर 49 मिनट पर शनि की राशि कुंभ में प्रवेश करेंगे। कुंभ राशि में सूर्य, शुक्र, बुध और राहु पहले से ही विराजमान हैं। ऐसे में कुंभ राशि में मंगल गोचर से पंचग्रही योग बनेगा। साथ ही मंगल और सूर्य की युति होने से आदित्य मंगल योग बनेगा। मंगल के गोचर से कुंभ राशि में कई ग्रहों का मिलन होगा, जो सभी राशियों पर असर डालेगा। लेकिन विशेष तौर पर 4 राशि वालों को सबसे ज्यादा लाभ देगा। इन जातकों को करियर-कारोबार के मोर्चे पर जबरदस्त फायदा मिल सकता है।

मेष राशिः मंगल गोचर मेष राशि वालों को धन लाभ करवा सकता है। खासतौर पर माता-पिता या पारिवारिक स्तर पर आर्थिक मदद मिलने के योग हैं। वहीं करोबारी जातकों को नई डील फाइनल करने का मौका मिल सकता है।

वृषभ राशिः मंगल गोचर वृषभ राशि वालों को करियर में तरक्की और धन लाभ के योग बना रहा है। इसके अलावा आपकी अचल संपत्ति में बढ़ोत्तरी होगी। नए स्त्रोतों से पैसा आएगा। वैवाहिक जीवन बेहतर रहेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी।

वृश्चिक राशिः मंगल गोचर वृश्चिक राशि वालों को भूमि-भवन संबंधी लाभ देगा। आपकी संपत्ति बढ़ेगी। माता से सहयोग मिल सकता है। जो लोग नई गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे हैं, वे सफल होंगे। अप्रत्याशित पैसा मिल सकता है।

मकर राशिः मंगल देव का गोचर मकर राशि वालों के जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ाएगा। आपका पैसा बढ़ेगा। बढ़ा हुआ आत्मविश्वास आपको महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मदद करेगा।

संपत्तिकर बकाया पर निगम की सख्ती, मोर बाजार में संपत्ति सील

ग्वालियर

नगर निगम ने संपत्तिकर वसूली के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए बड़े बकायेदारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में शनिवार को संपत्तिकर जमा नहीं करने पर मोर बाजार स्थित एक संपत्ति को सील कर दिया गया।

उपायुक्त संपत्तिकर मुकेश बंसल ने बताया कि निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार बड़े बकायेदारों के विरुद्ध विशेष वसूली अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 42 में स्थित सिंध महाजन एक्सचेंज, मोर बाजार में भवन स्वामी सतीश अग्रवाल पर करीब

दो लाख रुपये का संपत्तिकर बकाया पाया गया था।

बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं किए जाने पर निगम ने वसूली की कार्रवाई करते हुए संबंधित संपत्ति पर तालाबंदी की। कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक एवं कर संग्रहक मौके पर मौजूद रहे और नियमानुसार सीलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार आगामी दिनों में भी ऐसे करदाताओं के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी, जिन्होंने लंबे समय से संपत्तिकर का भुगतान नहीं किया है। निगम ने स्पष्ट किया है कि बकाया कर जमा होने के बाद ही सील की गई संपत्तियों को खोला जाएगा। निगम की इस कार्रवाई से व्यापारियों और संपत्ति स्वामियों में हलचल देखी गई है। प्रशासन ने अपील की है कि करदाता स्वयं आगे आकर समय पर संपत्तिकर जमा करें, ताकि कठोर कार्रवाई से बचा जा सके।

सारिका नगर में अवैध गैस सिलेंडर रिफिलिंग का खेल, आम जन को सुरक्षा को खतरा

ग्वालियर

ग्वालियर के दर्पण कॉलोनी सारिका नगर में घरेलू गैस सिलेंडरों का वितरण करने वालों द्वारा सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग खुलेआम धड़ल्ले से की जा रही है। जिससे यहां के रहवासियों को सुरक्षा का खतरा पैदा हो गया है। रिफिलिंग करने के बाद इन सिलेंडरों को 1100 से 1200 रुपए की कालाबाजारी में बेचा जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रिहायशी क्षेत्र में खुलेआम एक से दूसरे सिलेंडर में गैस भरी जा रही है। जिससे किसी भी समय

कोई बड़ा खतरा हो सकता है। रिफिलिंग का यह खेल पिछले कई माह से चल रहा है। वितरकों से इस काम की मनाही करने पर मारने की धमकी दी जा रही है जिससे डर के कारण लोग ज्यादा कुछ कह भी नहीं पा रहे हैं। क्षेत्र में गैस की तेज गंध और सिलेंडरों की आवाजाही से लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि रिहायशी क्षेत्र में इस तरह का काम नियमों के खिलाफ है और इससे आग लगने या विस्फोट होने का खतरा बना रहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अवैध गैस रिफिलिंग न केवल गैरकानूनी है बल्कि बेहद खतरनाक भी है, क्योंकि गलत तरीके से गैस भरने पर सिलेंडर लीकेज या ब्लास्ट की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में वहां के लोगों ने प्रशासन से कार्यवाही करने की मांग की है।

पति-पत्नी के झगड़े मे पड़ोसी की हो गई ठुकाई

ग्वालियर। पति-पत्नी के झगड़े में पड़ोसी को बीच में आना महंगा पड़ गया। महिला के पक्ष के लोगों ने पड़ोसी को घर से खींचकर ठुकाई लगा दी। उसे जमकर पीटा गया। जिस वक्त उसे पीट रहे थे किसी ने मोबाइल से उसका वीडियो बना लिया। अब यह वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मामला झांसी रोड थाना क्षेत्र के रानीपुरा का है। यहां पति-पत्नी के विवाद हो रहा था। साजन अपने घर के बाहर खड़ा होकर झगड़ा देख रहा था। उसने विवाद को सुलझाने के लिए कुछ कह दिया। इस पर महिला पक्ष के लोग भड़क गए। उन्होंने साजन टांक को घर से खींच कर पिटाई लगा दी। करीब तीन से चार लोगों ने उसे पीटा। मामले का वीडियो भी सामने आया है।

सामाजिक गोष्ठी आज, स्वामी आनंद स्वरूप होंगे मुख्य वक्ता

ग्वालियर

सवर्ण समाज समन्वय समिति के तत्वाधान में रविवार को दोपहर 12 बजे से गोले का मंदिर स्थित इंद्रप्रस्थ गार्डन में सामाजिक गोष्ठी आयोजित की जा रही है, जिसके लिए शनिवार को इंद्रप्रस्थ गार्डन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक अखिलेश पांडे एवं आशुतोष दुबे ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संस्थापक एवं शांभवी पीठ के पीठाधीश्वर आनंद स्वरूप महाराज होंगे। इसके अलावा वक्ता के रूप में पूर्व प्रधान आयुक्त भारत सरकार डॉ. अनूप श्रीवास्तव, अलंकार अग्निहोत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष क्षत्रिय करणी सेना डॉ. राज शेखावत, राष्ट्रीय अध्यक्ष करणी सेना महिपाल सिंह मकराना, अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राजीव सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि स्वामी आनंद स्वरूप सुबह 11 बजे महारानी लक्ष्मीबाई की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद मानस भवन पहुंचकर गोस्वामी तुलसीदास की पूजा अर्चना करेंगे।

बत्रास द डिजाइनर हाउस ने 14वीं वर्षगांठ शाही अंदाज में मनाई, एनिवर्सरी ऑफर आज

ग्वालियर। बत्रा क्लॉथ हाउस तीन पीढ़ियों से शहरवासियों के विश्वास का प्रतीक रहा है। इसी विरासत को आधुनिक फैशन के साथ आगे बढ़ाते हुए बत्रास द डिजाइनर हाउस ने अपनी 14वीं वर्षगांठ शाही अंदाज में मनाई। राम मंदिर के पास राजमणि मॉल में स्थित शोरूम बत्रास द डिजाइनर हाउस में आयोजित वर्षगांठ में देश के चुनिंदा डिजाइनर्स के कॉन्सेप्ट पर आधारित एक्सक्लूसिव वेडिंग कलेक्शन प्रस्तुत किया गया। इस विशेष कलेक्शन में रॉयल ब्राइडल लहंगे, पारंपरिक एवं डिजाइनर साड़ियां, इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेस, कॉर्ड सेट, फेस्टिव एवं पार्टी वियर की आकर्षक श्रृंखला शामिल रही। शोरूम के संचालक सतपाल बत्रा एवं कुंजम बत्रा ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल वस्त्र उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि भावनाओं को संवारना है। 'हम केवल फैशन नहीं बनाते, हम परंपरा को आधुनिकता के साथ जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि समर सीजन को ध्यान में रखते हुए हल्के, आरामदायक और ट्रेंडी डिजाइन भी कलेक्शन में शामिल किए गए हैं, जो ग्राहकों को रॉयल और सेलिब्रिटी लुक प्रदान करेंगे। इस विशेष अवसर पर ग्राहकों के लिए स्पेशल डिस्काउंट एवं आकर्षक कैशबैक ऑफर्स की शानदार व्यवस्था की गई है। यह ऑफर 22 फरवरी रविवार तक उपलब्ध है।

उटीला में पुलिस ने कट्टाधारी को पकड़ा

ग्वालियर। उटीला थानाक्षेत्र के भटपुरा में पुलिस ने वारदात की नीयत से खड़े एक बदमाश को गिरफ्तार किया है, इसके कब्जे से पुलिस को एक कट्टा और राउंड मिला है। पुलिस को पता चला था कि ग्राम भटपुरा के पास बैजनाथ धाम मंदिर की नहर की पुलिया पर एक संदिग्ध व्यक्ति देशी कट्टा लेकर कोई वारदात करने की नीयत से बैठा है। इस सूचना पर पुलिस ने उसे घेराबंदी करके पकड़ लिया। इस युवक ने अपना नाम जुगनू खान पुत्र इसरो खान उम्र 40 साल निवासी ग्राम भटपुरासानी थाना उटीला जिला ग्वालियर का होना बताया। पकड़े गये संदिग्ध की तलाशी लेने पर उसकी कमर में एक 315 बोर का देशी कट्टा खुरसा हुआ मिला, जिसे खोलकर चेक किया तो उसमें एक जिंदा राउंड लगा हुआ मिला, जिसे निकालकर अलग किया गया।

प्राइमरी और मिडिल के विद्यार्थियों को गलत पेपर देने का मामला, शाला प्रबंधन और बीआरसीसी को नोटिस

ग्वालियर

डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल की लापरवाही की वजह से इस संस्था के 5वीं व 8वीं बोर्ड परीक्षा के परीक्षार्थियों को हुई असुविधा को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। इस प्रकरण में डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल के प्राचार्य एवं बीआरसीसी जनपद शिक्षा केन्द्र मुरार शहरी क्र.-2 राकेश शर्मा को प्रभारी जिलाधीश श्री कुमार सत्यम द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक को प्रतिवेदन भेजा गया है। प्रभारी कलेक्टर श्री सत्यम ने कहा है कि परीक्षार्थियों के हितों की रक्षा की जाएगी।

जिला परियोजना समन्वयक श्री रविन्द्र सिंह तोमर के अनुसार विद्यार्थी और पालकों को निराश होने की जरूरत नहीं है। असफल होने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा परिणाम उपरांत राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा परीक्षा का द्वितीय अवसर प्रदान किया जायेगा। साथ ही आगे होने प्रश्न पत्रों में एससीईआरटी पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्र प्रदान किये जायेंगे।

जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) श्री तोमर ने बताया कि सनराइज पब्लिक स्कूल दीनदयालनगर में डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल वायुनगर का परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल द्वारा पोर्टल पर एनसीईआरटी पाठ्यक्रम का विकल्प भरा गया था। विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र व अटेडेंस शीट पर भी एनसीआरटीई का विकल्प लिखकर आया था। इस कारण परीक्षार्थियों को 20 फरवरी को एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के प्रश्न पत्र वितरित कर दिए गए। परीक्षार्थियों द्वारा कहा गया कि उन्होंने एससीईआरटी पद्धति से पढ़ाई की है, पर उन्हें एनसीईआरटी का पेपर क्यों दिया गया है। यह लापरवाही सामने आने पर डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल प्रबंधन को तलब किया गया। शाला प्रबंधन ने अपनी भूल स्वीकार कर एससीईआरटी पाठ्यक्रम का पेपर देने का आग्रह किया।

सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग ही समय की मांग : कुलगुरु

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अनुशासन और आत्मसंयम जरूरी : गोयल

ग्वालियर

सोशल मीडिया ने लोकतंत्र को नई ऊर्जा दी है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी बड़ी है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ मानवाधिकारों का सम्मान और कानूनी मर्यादाओं का पालन अत्यंत आवश्यक है। साइबर अपराध, फेक न्यूज और ऑनलाइन ट्रोलिंग गंभीर सामाजिक समस्या है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अनुशासन और आत्मसंयम जरूरी है। युवाओं को चाहिए कि वे सोशल मीडिया का उपयोग सामाजिक सद्भाव और सकारात्मक संवाद के लिए करें। सफल होने के लिए प्लान बनाना

सीखिए। यह बात शनिवार को मानव अधिकार के सेवानिवृत्त आईजीपी एवं वर्तमान चेयरपर्सन, इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड डिस्ट्रिक्ट रायगढ़ (छत्तीसगढ़) अशोक कुमार गोयल ने सेंटर फॉर स्टडीज इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन द्वारा सोशल मीडिया एंड ह्यूमन लाइफ विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कही। यह संगोष्ठी पीएम-उषा के सहयोग से आयोजित की गई। कुलगुरू डॉ.राजकुमार आचार्य, प्रो.एसएन माहापात्रा, प्रो.विवेक बापट मंचासीन रहे। प्रो.महापात्रा ने दो दिवसीय संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जीविवि के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि सोशल मीडिया आज मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि विचारों, सूचनाओं और नवाचारों के आदान-प्रदान का सशक्त प्लेटफॉर्म है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने जहां अभिव्यक्ति को व्यापक मंच दिया है, वहीं इसके दुरुपयोग ने समाज में कई नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग ज्ञानवर्धन, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन के लिए करें। संगोष्ठी के दूसरे दिन देशभर से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने 16 शोध पत्र प्रस्तुत किए।प्रतिभागियों ने डिजिटल युग में नैतिक जिम्मेदारी, सूचना की विश्वसनीयता और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर विचार साझा किए।इस प्रकार दो दिवसीय संगोष्ठी में 30 से अधिक शोध पत्रों का वाचन हुआ। कार्यक्रम संयोजक प्रो.एस.एन. महापात्रा और प्रो.विवेक बापट ने बताया कि इस सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों और शोधार्थियों को डिजिटल युग की चुनौतियों और संभावनाओं से अवगत कराना है।

युवती ने किया आत्महत्या का प्रयास पुलिस ने दरवाजा तोड़ बचाई जान

ग्वालियर

अज्ञात कारणों के चलते एक युवती ने आत्महत्या के लिए गले में रस्सी डालकर लटक गई। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के सदाशिव नगर में शनिवार की सुबह करीब छह बजे की है। युवती को फंदे पर लटकते देखकर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मदद से दरवाजा तोड़कर युवती को फंदे से उतार कर उपचार के लिए पहुंचाया है। जहां पर उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के सदाशिव नगर निवासी बीस वर्षीय युवती छात्रा है। शनिवार की सुबह किसी बात पर नाराज होकर वह धमकी देकर अपने कमरे में चली गई और गेट बंद कर लिया। अनहोनी की आशंका से परिजनों ने तुरंत ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रातः गश्त में निकले थाना प्रभारी बहोड़ापुर आलोक सिंह परिहार, आरक्षक योगेन्द्र सिंह सिकरवार और एफआरवी 16 मौके पर पहुंची और युवती को आवाज लगाकर गेट खोलने को बोला, लेकिन अंदर से युवती ने जबाव नहीं दिया। इसी बीच पुलिस जवान ने दरवाजे के ऊपर लगे जंगले से देखा तो युवती फांसी का फंदा बना रही थी।

तोड़ा दरवाजा उतारा फंदे से

युवती द्वारा फांसी का फंदा बनाते देख कर थाना प्रभारी आलोक परिहार ने परिजनों और पुलिस जवानों की मदद से दरवाजा तोड़ा और युवती के पैर पकड़ लिए। इसी बीच पुलिस जवानों ने फंदा काट दिया। लेकिन तब तक युवती बेहोश हो गई थी। तुरंत ही उसे उपचार के लिए जेएएच पहुंचाया, जहां पर उसकी हालत गंभीर देखकर उसे एक हजार बिस्तर अस्पताल पहुंचाया है। जहां पर उसकी हालत गंभीर है।

मंत्र भारत

ग्वालियर -सोमवार,23 फरवरी 2026

सम्पादकीय

भारत और चाबहार, एक रणनीतिक वापसी

मनीष तिवारी

दशकों तक, चाबहार परियोजना ने पश्चिम एशिया और मध्य एशिया में भारत के प्रभाव के सबसे ठोस धुरी होने का वादा किया-एक ऐसा नागरिक प्रवेश द्वार, जो पाकिस्तान को दरकिनार कर सके, नई दिल्ली को स्थल-रुद्ध अफगानिस्तान से जोड़ सके और चीन की समुद्री पहुंच को संतुलित करने के लिए एक व्यापक ह्यनैकलेस ऑफ डायमंड्सह्न रणनीति को सहारा दे सके। लेकिन भारत और ईरान के बीच जो एक व्यावहारिक सांझेदारी के रूप में शुरू हुआ था-जिसे अक्सर सभ्यतागत संबंधों और रणनीतिक अभिसरण द्वारा आकार दिए गए ह्यहर मौसम केह्न रिश्ते के रूप में वर्णित किया जाता था-वह अब तीव्र दबाव में है। 2000 के दशक की शुरूआत में, भारत ने अफगानिस्तान और उससे आगे पहुंचने के लिए पाकिस्तान के आसपास के रास्तों की तलाश शुरू की। ओमान की खाड़ी पर ईरान की स्थिति के माध्यम से एक महत्वपूर्ण अवसर मिला। समय के साथ, भारत और ईरान ने चाबहार बंदरगाह पर शाहिद बेहिश्ती टर्मिनल के विकास के लिए एक सहकारी ढांचा विकसित किया। 2016 में एक बड़ा बदलाव आया, जब भारत ने ईरान और अफगानिस्तान के साथ एक समझौता किया-जिसका उद्देश्य बंदरगाह के साथ-साथ उससे जुड़े परिवहन मार्गों का निर्माण करना था। भारत की ओर से भारी धन का प्रवाह हुआ, जिसमें केवल बंदरगाह के उन्नयन के लिए लगभग 120 मिलियन डॉलर खर्च किए गए, साथ ही सीमा पार बुनियादी ढांचे के काम के लिए अधिक ऋण उपकरण भी दिए गए। बाहरी फर्मों की बजाय, ह्यइंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेडह्न जैसी भारतीय संस्थाओं ने टर्मिनल चलाने का जिम्मा संभाला। फिर भी, वे महत्वाकांक्षाएं आज संदेह के घने कोहरे में तैर रही हैं। अब जबकि अमरीकी प्रतिबंध और भी मजबूत होकर वापस आ गए हैं, भारत को ईरान के साथ व्यापार करने के बारे में कठिन विकल्पों का सामना करना पड़ रहा है, जहां जोखिम अब नाजुक राजनीति से टकरा रहे हैं। आर्थिक पहलुओं से परे, रणनीतिक दृष्टिकोण से भी चाबहार भारत के लिए महत्वपूर्ण है। चीन ह्यबैल्ट एंड रोड इनिशिएटिवह्न (बी.आर.आई.) और ह्यस्ट्रिंग ऑफ पर्ल्सह्न के माध्यम से बंदरगाहों और बुनियादी ढांचे का निर्माण करके अपना प्रभाव बढ़ा रहा है-जिसमें दक्षिण चीन सागर से अरब सागर तक के मार्ग पर बंदरगाह शामिल हैं। इन घटनाक्रमों पर भारत की प्रतिक्रिया अपना स्वयं का ह्यनैकलेस ऑफ डायमंड्सह्न बनाना है जो भारत को रणनीतिक भागीदार और ओमान से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों तक हिंद महासागर के सभी क्षेत्रों में ह्यपहुंचह्न प्रदान करेगा। इस परिप्रेक्ष्य में, चाबहार पश्चिमी हिंद महासागर में भारत की उपस्थिति को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साथ ही पाकिस्तान में ग्वादर के माध्यम से चीन की पहुंच को सीमित करने का प्रयास भी करता है। हालांकि भारत ने पहले बंदरगाह पर काम जारी रखने के लिए सीमित छूट सुरक्षित कर ली थी, क्योंकि अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मौन समर्थन देने में इसकी भूमिका थी। हालांकि, वर्तमान भू-राजनीतिक माहौल ने उन विकल्पों को संकुचित कर दिया है। रिपोर्टें बताती हैं कि चाबहार परियोजना के लिए छूट केवल 26 अप्रैल, 2026 तक ही वैध हो सकती है, जिससे भारत के लिए समय सीमित हो गया है। 2026-27 का केंद्रीय बजट इस तनाव का प्रतिनिधित्व करता प्रतीत होता है- चाबहार के लिए कोई आबंटन न होना संकोच और डरपोकपन का एक मजबूत संकेत भेजता है, जो एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में जगह छोडने जैसा है जिसके भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर प्रभाव पड़ेंगे। चाबहार परियोजना से पीछे हटना या अपनी प्रतिबद्धता को ढीला करना भारत की दीर्घकालिक क्षेत्रीय रणनीति और एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में उसकी प्रतिष्ठा, दोनों को कमजोर करता है। चाबहार से पीछे हटने के गंभीर परिणाम होंगे। सबसे पहले, ईरानी और नजदीकी रणनीतिक स्थानों पर भारत की पकड़ कमजोर हो जाएगी। वित्तीय तनाव से जूझ रहे तेहरान के बीजिंग और मॉस्को पर अधिक निर्भर होने की संभावना बढ़ जाएगी-जहां पैसा और समर्थन आसानी से मिलता है-जिससे नई दिल्ली की भूमिका कम प्रभावी हो जाएगी। भारत अपनी किसी भी प्रमुख रणनीतिक संपत्ति को खोना बर्दाश्त नहीं कर सकता, क्योंकि भू-राजनीतिक परिदृश्य अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। चाबहार बंदरगाह भू-राजनीति के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र से भारत के पीछे हटने का एक उदाहरण है।

ए.आई. के लिए हां, लेकिन कुछ डर भी

पी. चिदम्बरम

आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस (ए.आई.) आ चुका है। यह सच है कि ए.आई. मानवीय क्षमताओं और उत्पादकता को कई गुना बढ़ा देगा। भारत के पास मानव संसाधनों का एक विशाल और बढ़ता हुआ

खजाना है (कम से कम 2050 तक)। हालांकि, इसकी गुणवत्ता विकसित देशों के मानव संसाधनों से काफी भिन्न है। एक विकसित देश में, व्यावहारिक रूप से हर कोई स्कूली शिक्षा प्राप्त है और एक बड़ा हिस्सा कॉलेज-शिक्षित है। वहां जीवन भर सीखने और नए कौशल हासिल करने का अवसर है। भारत में, ह्यजनसांख्यिकीय लाभांशह्न अपने साथ जनसांख्यिकीय बोझ भी लेकर आता है। जबकि प्राथमिक स्तर पर स्कूली नामांकन बहुत अधिक है लेकिन उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर नामांकन में हर चरण में गिरावट आती है। उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जी.ई.आर.) 45-50 प्रतिशत के बीच है। कॉलेज में नामांकित अधिकांश छात्र ऐसी स्नातक डिग्री प्राप्त करते हैं जो उन्हें ह्यकुशलह्न या ह्यरोजगार योग्यह्न नहीं बनाती है-यही मुख्य कारण है कि युवा पुरुषों और महिलाओं के लिए उपयुक्त नौकरी खोजना एक कठिन कार्य है। मैंने श्री डारियो अमोदेई (सी.ई.ओ., एंथ्रोपिक) के कॉपीराइट वाले 38 पन्नों के निबंध ह्यद एडोलेसेंस ऑफ टैक्नोलॉजीह्न का सारांश पढ़ा है। आर्थिक व्यवधान पर, वह कहते हैं कि ए.आई. श्रम बाजारों को ह्यअभूतपूर्व गति से और व्यापक व्यावसायिक श्रेणियों में बाधित कर सकता है, जिससे संभावित रूप से नौकरियों का एक बड़ा हिस्सा विस्थापित हो सकता है, विशेष रूप से निकट भविष्य में व्हाइट-कॉलर काम।ह्न यह डरावना है। भारत में एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि ए.आई. जाति को पहचानता है। यदि मनुष्यों ने ए.आई. को जाति-पूर्वाग्रह सिखाया है, तो यह और भी डरावना है। माननीय प्रधानमंत्री सही हैं कि ए.आई. भविष्य और भाग्य के द्वार खोलेगा। लेकिन यह डर भी है कि नौकरियां चली जाएंगी। माइक्रोसॉफ्ट के सी.ई.ओ. ने कहा कि व्हाइट कॉलर नौकरियों में कई कार्यों को स्वचालित किया जाएगा। कंपनी ने 2025 में हजारों नौकरियां खत्म कर दीं। टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज ने 2025 में घोषणा की कि वह पुनर्गठन अभ्यास के हिस्से के रूप में 12,000 से अधिक कर्मचारियों को ह्यछोड़ह्न देगी। भारत में वर्तमान ह्यआधिकारिकह्न बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत है लेकिन हम जानते हैं कि यह अधिक है। युवा बेरोजगारी दर 15 प्रतिशत है। लगभग 55 प्रतिशत ह्यनियोजितह्न लोग स्व-रोजगार या आकस्मिक श्रम में हैं। समृद्ध क्षेत्रों में, कृषि कार्य पहले से ही मशीनीकृत हैं। यदि शहरी ब्लू-कॉलर नौकरियां भी दुर्लभ हो जाती हैं और बेरोजगारी सूचना प्रौद्योगिकी जैसे ह्यकुशलह्न क्षेत्रों में शिक्षित युवाओं तक फैल जाती है, तो स्थिति विस्फोटक हो जाएगी।

जहां तक मुझे पता है, भारत सहित दुनिया अभी तक समाधानों के साथ तैयार नहीं है। मुख्य आघ्थक सलाहकार ने उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (जनसांख्यिकीय गिरावट का सामना करने वाले, जहां ए.आई. एक प्लस हो सकता है) और विकासशील देशों (जहां ए.आई. राज्य की क्षमता के लिए एक ह्यस्ट्रैस टैस्टह्न होगा) पर ए.आई. के प्रभाव के बीच अंतर किया। स्वाभाविक रूप से, समाधान अलग होंगे। उनका समाधान यह है कि ह्यनिरंतर निष्पादन भारत को पहला बड़ा समाज बनने में मदद कर सकता है... जो बड़े पैमाने पर रोजगार के साथ तकनीकी अपनाने को संरेखित करता है।ह्न काश समाधान इतना सरल होता। प्रौद्योगिकी को लगातार अपनाने के शुरूआती परिणाम नौकरियों में कमी के रूप में सामने आए हैं, कम से कम भारतीय कारखानों में। लेकिन जैसा कि ह्यइकोनॉमिस्टह्न कहता है, ह्यआविष्कार और प्रसारह्न के बीच समय है और उन कठिन उपायों को करने के लिए भी, जो तकनीक अपनाने के प्रभाव को अवशोषित करेंगे। उदाहरण के लिए, नौकरी चाहने वालों और नौकरियों की विशाल संख्या को देखते हुए, भारत को तैयार रहना चाहिए-यह पहचानने के लिए विकसित देशों के विपरीत, भारत को उन युवाओं के लिए विभिन्न प्रकार की नौकरियां पैदा करने की आवश्यकता है, जो स्कूल के उच्च प्राथमिक, माध्यमिक या उच्चतर माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ सकते हैंय

-गैर-विज्ञान विषयों में कई ह्यपासह्न पाठ्यक्रमों को बंद करना और छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा, एस.टी.ई.एम. या कौशल पाठ्यक्रमों की ओर मोडनाय-शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण प्रबंधन में बड़े पैमाने पर निवेश करनाय-स्थानीयक्षेत्रीय बाजार विकसित करना जो स्थानीय या क्षेत्रीय बैंकों द्वारा सम्प्रगस्थित गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन और उपभोग करेंगे, न कि केवल बड़े व्यवसाय, बड़े बाजार, बड़ी चेन और बड़े बैंकों के प्रति जुनूनी होनाय-यह स्वीकार करना कि वर्तमान समय में, एम.एस.एम.ई. भारत में सबसे बड़े रोजगार सृजक हैं। यदि ए.आई. एम.एस.एम.ई. की मदद कर सकता है-जैसा कि सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने वादा किया है-तो एम.एस.एम.ई. अधिक नौकरियां पैदा करने में सक्षम होंगे। सी.ई.ए. ने उल्लेख किया है कि भारत को ह्यहर साल कम से कम 80 लाख नौकरियांह्न पैदा करने की आवश्यकता है। आवश्यक संख्या अधिक होगीय तथा-उन लोगों से अपेक्षा करना, जो ए.आई. को अपनाएंगे और जिसके परिणामस्वरूप नौकरियां खत्म करेंगे, कि वे उतनी ही संख्या में नौकरियां पैदा करें। हमें श्री जेमी डिमन (सी.ई.ओ., जे.पी. मॉर्गन चेस) से सहमत होने और ह्यले-ऑफह्न (छंटनी) पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता नहीं है। ह्यकॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वह्न (सी.एस.आर.) ने व्यवसायों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा की है, उसमें नौकरी सृजन की जिम्मेदारी भी शामिल होनी चाहिए। बिना नौकरी या कम नौकरियों वाली दुनिया एक डरावने भविष्य की ओर ताकेगी। ह्यकामह्न एक इंसान को परिभाषित करता है। भोजन की तलाश के अलावा कोई अन्य जीवित प्राणी स्वेच्छा से काम नहीं करता। यदि ए.आई. हमारा सारा काम करेगा और सभी के लिए समृद्धि लाएगा, तो इंसान क्या करेंगे? जबकि अगले कुछ वर्षों के दौरान ए.आई. का प्रभाव सामने आएगा, यह इस प्रश्न पर विचार करने का समय है।

महात्मा गांधी और पंडित नेहरू आज की राजनीति में विलेन क्यों?

मा. मोहन लाल

स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के योगदान को कम करके नहीं देखा जा सकता। पता नहीं आज के तथाकथित राजनेता उन्हें गालियां क्यों देने लगे हैं? आज की पीढ़ी तो इन दोनों महापुरुषों के नाम और काम को भूल चुकी थी, देश के तथाकथित नेताओं ने उन्हें पुनः जिंदा कर दिया, परन्तु जिंदा उन्हें ह्यविलेनह्न के रूप में किया गया है, जिस पर मुझे ऐतराज है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी हासिल करने की कई समांतर लहरें चल रही थीं। परन्तु आजादी की जंग में शांति, अहिंसा, असहयोग और सत्याग्रह का शस्त्र उठा महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू और सरदार पटेल लड़ रहे थे। किसे कम या अधिक कहें? आजादी की सभी लहरों का एक ही उद्देश्य था, ह्यअंग्रेजो भारत छोड़ोह्न। आजादी की किस लहर का योगदान कम था? अंग्रेज यूं ही नहीं गया भारत को छोड़कर। उसने हिंदुस्तान को धर्म के नाम पर 2 टुकड़ों में बांट कर यहां से सदा के लिए चले जाने की ठान ली, जिसमें वह सफल रहा और हमने रूआंसे मुंह भारत को एक ह्यस्वतंत्र मुल्कह्न मान कर सिर झुका लिया।

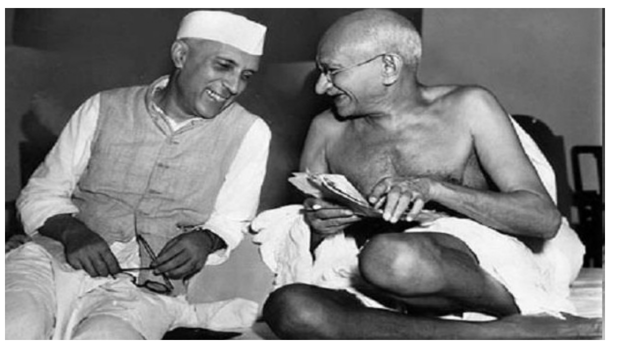

आज के तथाकथित नेता जो महात्मा गांधी को देश की सारी समस्याओं का मूल कारण मानते हैं, उन्हें पता ही नहीं कि महात्मा गांधी ने मोहम्मद अली जिन्ना के आवास पर जाकर उन्हें रोका कि पाकिस्तान की मांग छोड़ दो, यदि तुम देश का प्रधानमंत्री ही बनना चाहते हो तो इंडियन नैशनल कांग्रेस तुम्हें हिंदुस्तान का प्रधानमंत्री बनाने को तैयार है। परन्तु मोहम्मद अली जिन्ना टस से मस न हुए और देश बंट गया। महात्मा गांधी या पंडित जवाहर लाल नेहरू देश-विभाजन के कहां दोषी हुए? इतिहास जैसा है उसे वैसा ही रहने दिया जाए। नेता जी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, शहीद-ए-आजम भगत सिंह, स. ऊधम सिंह, पंडित नेहरू, स. पटेल और महात्मा गांधी सभी आजादी के परवाने थे। आजादी की फिलॉसफी गढ़ी लाल, पाल, बाल और गोपाल कृष्ण गोखले ने। आज के राजनेता आजादी का श्रेय किसी एक आजादी के परवाने को न दें। जिसने भी कुछ किया, अच्छा किया। 79 साल के बाद अपने पूर्वजों को कोसना, उन्हें देश की सारी समस्याओं के लिए दोषी ठहराना, अनुचित है। हमें अपने पूर्व नेताओं के प्रति नफरत नहीं, बल्कि आदर का भाव जागृत करना चाहिए। यूं ही देश में गढ़े मुर्दे मत उखाड़ो। नेहरू नए भारत के निमार्ता हैं। गांधी इस देश के नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे। उनका ह्यचरखाह्न तो प्राचीन संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। महात्मा गांधी ने एक ही लंगोटी में जिंदगी काट दी। यहां तक कि ह्यइंगलैंड गोलमेज कांफ्रैंसह्न में भी एक लंगोटी और एक धोती में गए। महात्मा गांधी को ह्यमहात्माह्न, ह्यबापूह्न, ह्यराष्ट्रपिताह्न के अलंकार यूं ही नहीं मिले। महात्मा गांधी ने कलह हिंसा, अन्याय, अत्याचार तथा शोषण के निवारण के लिए अहिंसा का सहारा लिया। सत्याग्रह द्वारा दूसरे व्यक्ति के हृदय में सत्य के प्रति सम्मान जगा कर उसे देशहित में लाना ही उनका प्रमुख उद्देश्य था। सत्याग्रही झूठी प्रतिष्ठा के चक्र में अपने सत्य मार्ग को त्यागता नहीं। उपवास, असहयोग, सविनय अवज्ञा द्वारा सत्याग्रह को पवित्र बनाया जा सकता है। चरखे के पीछे की भावना थी कि हम सादा खाएं, सादा पहनें और अहं को छोड़ समाज में शांति से विचरण करें। अपने जीते जी उन्होंने कष्ट, आलोचना निंदा का हंसते-हंसते सामना किया, किसी के प्रति भी घृणा का भाव नहीं। महात्मा गांधी की ह्यआत्म विजयह्न की भावना से मनुष्य मन, इंद्रियों, शरीर, बुद्धि पर नियंत्रण कर सकता है। घृणा और भय को त्यागने से ही सत्य के दर्शन हो सकते हैं। महात्मा गांधी ईश्वरभक्त थे। वह सभी धर्मों का सत्कार करते थे। ह्यधर्म परिवर्तनह्न को गांधी जी अनुचित समझते थे। मानव सेवा ही परम धर्म है। राजनीति धर्म की दासी है, स्वामिनी नहीं। धर्म राजनीति को पवित्र बनाता है। राम, सीता, राम चरित मानस, महात्मा गांधी के आदर्श थे। पहले विश्व युद्ध में महात्मा गांधी ने अंग्रेजों से सहयोग किया, परन्तु युद्ध समाप्ति पर अंग्रेजों ने ह्यरोलेट एक्टह्न जैसा भारत विरोधी एक्ट पास कर स्थानीय लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए। इसीलिए महात्मा गांधी ने दूसरे विश्व युद्ध में अंग्रेजों का विरोध किया। महात्मा गांधी अथाह सागर की भांति बड़े विस्तृत तथा अहम थे। गांधी ह्यमहात्माह्न इसलिए थे कि वह दूसरों के लिए जिए, दूसरों के हाथों मरे भी। वह भारत के सच्चे प्रतिनिधि थे। ह्यबिड़ला हाऊसह्न में लखपतियों के बीच रहकर भी गांधी जी की सोच सदा गरीबों के हित में रही। उन्होंने हमेशा रेलवे के तीसरे दर्जे में यात्रा की। राष्ट्र की गति, स्थिति, कृति और मति में उनका विलक्षण योगदान है। गांधी हमेशा मानवता की रक्षा में खड़े रहे। आज का नेता पंडित नेहरू पर भी तरह-तरह के आरोप लगा रहा है। उनके लार्ड माऊंटबेटन की पत्नी के साथ आंतरिक रिश्ते थे। कश्मीर समस्या नेहरू की देन है। उनकी कश्मीर घाटी के नेता शेख अब्दुल्ला से मित्रता थी। इत्यादि-इत्यादि। परन्तु उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि पंडित नेहरू आधुनिक भारत के नव-निर्माण में विश्वास रखते थे। औद्योगिक क्षेत्र में भारत को दुनिया के नक्शे पर देखना चाहते थे। नेहरू एक फिलॉसफी थे। अपने ऐसे नेताओं को कोसने, उन्हें गाली देने से देश का हित नहीं होगा। आज का नेता गांधी और जवाहर से आगे निकल कर बताए, अपने को गांधी और नेहरू बनाए।-

राशिफल

मेषः- आज सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी आपको देते हैं। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा।

वृषभः- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुनः- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्कः- गणेशजी कहते हैं कि भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रतापूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद-विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंहः- आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्याः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुलाः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

वृश्चिकः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

धनुः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है।

क्या भारत यूरोपीय संघ को वस्त्र निर्यात के मामले में बंगलादेश को पीछे छोड़ सकता है?

अर्नब चक्रवर्ती

भारत का वस्त्र उद्योग वैश्विक निर्यात बाजारों में लगातार पिछड़ता जा रहा है। इसके विपरीत, बंगलादेश ने निर्यात के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। हाल ही में हस्ताक्षरित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) और बंगलादेश के अल्प विकसित देश (एल.डी.सी.) का दर्जा समाप्त होने की संभावना को देखते हुए, यह भारत के वस्त्र उद्योग के लिए एक सुनहरा अवसर है। वस्त्र मूल्य श्रृंखला के भीतर, यूरोपीय संघ को भारत का निर्यात मुख्य रूप से तैयार कपड़ों जैसे टी-शर्ट, शर्ट और ट्राऊजर की बजाय मध्यवर्ती उत्पादों (विशेष रूप से धागे और कपड़े) पर केंद्रित है। बंगलादेश का निर्यात विशेष रूप से 2 श्रेणियों के तैयार कपड़ों में भारत से कहीं अधिक है, बुने या क्रोशिया से बने वस्त्र (जैसे टी-शर्ट, जर्सी, पुलओवर, स्वैटर और काघ्डगन) और बुने हुए वस्त्र (जैसे सूट, जैकेट, ट्राऊजर, ड्रैस और शर्ट)। बुने हुए,क्रोशिया किए गए वस्त्रों के लिए यूरोपीय संघ के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी 2009 में लगभग 6.5 प्रतिशत से घटकर 2023 में लगभग 4.4 प्रतिशत रह गई। वहीं, बंगलादेश की हिस्सेदारी 2000 में मात्र 6 प्रतिशत से बढ़कर 2009 में 13 प्रतिशत और 2023

तक 26 प्रतिशत हो गई। बुने हुए वस्त्रों के व्यापार में भी इसी तरह का रुझान देखने को मिलता है। बुने हुए वस्त्रों के मामले में, यूरोपीय संघ को भारत के नाममात्र निर्यात मूल्य में निरपेक्ष रूप से गिरावट आई है, जो लगभग 3.5 अरब डॉलर के शिखर से गिरकर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। सभी उत्पादों में भारत की प्रति इकाई कीमत लगातार बंगलादेश से अधिक है। इससे निम्नलिखित संकेत मिल सकते हैं रू पहला, भारत अधिक मूल्यवर्धित, बेहतर गुणवत्ता वाले वस्त्रों का निर्यात कर रहा होगा, जिससे वह अधिक कीमतें वसूलने में सक्षम है। हालांकि, इसकी कम बाजार हिस्सेदारी से पता चलता है कि आम बाजार में बिकने वाले परिधानों की तुलना में ऐसे उत्पादों की यूरोपीय संघ में मांग सीमित है, जिससे संकेत मिलता है कि केवल ह्यप्रीमियम पोजीशनिंगह्न (यदि संभव हो तो) से बिक्री में वृद्धि नहीं हो सकती। दूसरा, और अधिक संभावित कारण यह है कि ऊंची कीमतें संरचनात्मक कमियों को दशार्ती हैं-उच्च उत्पादन लागत, कम एकीकृत आपूर्ति श्रृंखलाएं और रसद संबंधी अक्षमताएं। इसके अलावा, भारतीय और बंगलादेशी उत्पादों पर लगने वाले शुल्क में भी काफी अंतर है। बंगलादेश, एक अल्पविकसित देश होने के नाते, यूरोपीय संघ में शुल्क-मुक्त और कोटा-मुक्त प्रवेश का लाभ उठाता रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शून्य-टैरिफ पहुंच तब भी लागू होती है, जब वस्त्र यूरोपीय संघ की मानक ह्यदोहरे परिवर्तनह्न की आवश्यकता को पूरा नहीं करते। इसका मतलब यह है कि बंगलादेश दुनिया में कहीं से भी कपड़ा आयात कर सकता है, घरेलू स्तर पर कपड़े सिल सकता है और उन्हें शून्य शुल्क पर यूरोपीय संघ को निर्यात कर सकता है। भारत को इस तरह की तरजीही सुविधा प्राप्त न होने के कारण यूरोपीय संघ के मोस्ट फेवर्ड नेशन (एम.एफ.एन.) टैरिफ के तहत लगभग 12 प्रतिशत का भुगतान करना पड़ता है। दो प्रमुख संरचनात्मक बदलाव निकट भविष्य में दिखाई देने वाले हैं। सबसे पहले, बंगलादेश 2029 में अपने ई.बी.ए. लाभ खोने वाला है। इसका अर्थ होगा यूरोपीय संघ में स्वतरू शुल्क-मुक्त प्रवेश का अंत और परिधान निर्यात पर संभावित रूप से लगभग 12 प्रतिशत का एम.एफ.एन. (फाइनल फॉरेन नेटिव) टैरिफ लग सकता है। इसके बाद बंगलादेश यूरोपीय संघ की जनरलाइज्ड स्कीम ऑफ प्रैफरैंसेस प्लस (जी.एस.पी.) में प्रवेश करने का प्रयास करेगा, जो वस्त्रों सहित लगभग दो-तिहाई टैरिफ मदों पर शून्य टैरिफ प्रदान करता है। हालांकि, जी.एस.पी. में मूल के सख्त नियम (आर.ओ.ओ.) और सुरक्षा प्रावधान लागू होते हैं। बंगलादेश कपड़ों के लिए अन्य देशों (भारत सहित) पर काफी हद तक निर्भर है, इसलिए इसका मतलब यह हो सकता है कि बंगलादेश के वस्त्र शुल्क मुक्त प्रवेश के लिए जी.एस.पी.-आर.ओ.ओ. की शर्तों को पूरा न करें। ऐतिहासिक रूप से, यूरोपीय संघ दोहरे परिवर्तन मानदंड पर अपने रुख पर कायम रहा है। यदि वह ऐसा करना जारी रखता है, तो बंगलादेश को गंभीर नुकसान होगा। यदि प्रतिस्पर्धा मूल्य-आधारित है, तो बंगलादेश अपना बाजार हिस्सा खो सकता है। दूसरी ओर, यदि बंगलादेश का प्राथमिक लाभ आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण से आता है, तो वह उच्च शुल्कों के बावजूद भी अपना प्रभुत्व बनाए रख सकता है। भारत-ई.यू. समझौते के तहत भारत को यूरोपीय संघ के कपड़ा बाजारों में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा, बशर्ते 2 चरणों वाली प्रसंस्करण प्रक्रिया अनिवार्य हो। चूंकि भारत का कपड़ा उद्योग पहले से ही अपेक्षाकृत एकीकृत है (परिधान उत्पादन में प्रयुक्त अधिकांश धागे और कपड़े का निर्माण देश में ही होता है), इसलिए 2 चरणों वाली प्रसंस्करण प्रक्रिया भारतीय कपड़ा निर्यात के लिए कोई बाधा नहीं बनेगी। परिणामस्वरूप, भारतीय निर्यातक बिना किसी बड़े पुनर्गठन के मूल नियमों की कठोरता को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

नगर विकास मंत्री ने देखी काशी की सफाई व्यवस्था

लखनऊ/वाराणसी,। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने प्रातः काल काशी के शिवपुर, सुषमा नगर कॉलोनी, गिलट बाजार, लक्ष्मणपुर एवं रघुवंशी नगर में कई किलोमीटर तक पैदल चलकर प्रातःकालीन सफाई व्यवस्था एवं डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन कार्य का निरीक्षण किया। श्री शर्मा ने गलियों और मुख्य मार्गों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड में निर्धारित समय पर कचरा उठान किया जाए तथा कहीं भी कूड़े का ढेर दिखाई न दे।स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर सफाई व्यवस्था के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कूड़ा इधर-उधर न फेंकें और डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था का पूर्ण सहयोग करें। स्वच्छ शहर का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है। श्री शर्मा ने सफाई मित्रों से मुलाकात कर उनके कार्य की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिगरा क्षेत्र में सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता एवं समय-सीमा की समीक्षा करते हुए

योग करने का समय नहीं है तो ऑफिस में बैठे-बैठे करें ये आसन

अगर आपके पास सुबह-शाम योग करने का समय नहीं है तो आप दफ्तर में बैठे-बैठे भी योग कर सकते हैं। इसमें ये लेख आपकी मदद करेगा। आज की व्यस्त लाइफस्टाइल में सुबह या शाम समय निकालकर योग करना हर किसी के लिए मुश्किल हो गया है। लोगों के पास इतना समय भी नहीं है कि वो योग करके अपनी सेहत का ध्यान रख सकें। ये दिक्कत सबसे ज्यादा उन लोगों के सामने आती है, जो ऑफिस में घंटों बैठकर काम करते हैं। लगातार काम करने की वजह से शरीर काफी थक जाता है। ऐसे में उनके लिए योग काफी अहम होता है। अगर आप दफ्तर में ही बैठे-बैठे कुछ आसान योगासन कर लें तो आपका शरीर और दिमाग दोनों तरो-ताजा रह सकते हैं। ऑफिस में डेस्क पर बैठकर किया जाने वाला योग न सिर्फ शरीर की मांसपेशियों को मजबूत करता है बल्कि तनाव कम करने और ध्यान केंद्रित करने में भी मदद करता है। इस लेख में हम ऐसे सरल योगासन और स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज बताएंगे जिन्हें आप अपनी या कुर्सी पर बैठकर कर सकते हैं।

नेक स्ट्रेच

इसके लिए कुर्सी पर सीधे बैठ जाएं और पीठ को पूरी तरह सीधा रखें। अब अपनी धीरे-धीरे गर्दन को दाईं ओर झुकाएं और लगभग 5 सेकंड तक वहीं रुकें। फिर बाईं ओर झुकाएं और वहीं कुछ सेकंड रुकें। इसके बाद गर्दन को धीरे-धीरे आगे और फिर पीछे झुकाएं। इस प्रक्रिया को 5झ्र6 बार दोहराएं। नेक स्ट्रेच करने से गर्दन की मांसपेशियों में लचीलापन बढ़ता है और लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम करने से होने वाला दर्द और तनाव कम होता है।

शोल्डर रोल्स

सीधा बैठकर कंधों को ऊपर उठाएं। अब कंधों को धीरे-धीरे पीछे की दिशा में गोल घुमाएं और 5झ्र6 बार दोहराएं। फिर कंधों को आगे की दिशा में भी गोल घुमाएं। शोल्डर रोल्स करने से कंधों की जकड़न दूर होती है और पीठ और गर्दन की रक्त-संचार बेहतर होती है। ये अभ्यास तनाव कम करने और लंबी बैठने से होने वाली थकान मिटाने में बहुत मददगार है।

वॉटर बॉटल एक्सरसाइज

एक हल्की पानी की बोतल (250झ्र500े) लें और दोनों हाथों में पकड़ें। अब हाथों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं और फिर नीचे लाएं। इस क्रिया को 10झ्र12 बार दोहराएं। ये भी एक सरल एक्सरसाइज है, जोकि हाथ और कंधों की मांसपेशियों की ताकत बढ़ाती है, साथ ही ऑफिस में बैठे-बैठे होने वाले तनाव और अकड़न को कम करती है।

सीटेड लेग स्ट्रेच

कुर्सी पर सीधे बैठें और दोनों पैर जमीन पर रखें। अब एक पैर को धीरे-धीरे आगे बढ़ाएं और एड़ी को ऊपर-नीचे हिलाएं। 10झ्र15 बार करने के बाद दूसरे पैर से भी दोहराएं। सीटेड लेग स्ट्रेच करने से पैरों की मांसपेशियों में खिंचाव कम होता है, रक्त-संचार बेहतर होता है और लंबे समय तक बैठने से होने वाली थकान दूर होती है।

पत्ता गोभी के कीड़ों को ऐसे करें खत्म, ताकि न हों किसी बीमारी के शिकार

पत्ता गोभी में छिपे कीड़े शरीर में जाकर जान तक ले सकते हैं। इसलिए इसे बनाने से पहले अच्छी तरह साफ अवश्य करें। पत्ता गोभी साफ करने का सही तरीका आपको इस लेख में मिलेगा। सर्दी के मौसम में बाजार में काफी हरी सब्जियां मिलने लगती हैं। इन्हीं में शामिल है पत्ता गोभी.... पत्ता गोभी एक ऐसी सब्जी है, जो लगभग हर घर में इस्तेमाल की जाती है। इसकी मदद से घरों में सलाद, सब्जी, मंचूरियन और कई तरह की डिशेज बनाई जाती हैं। पर, क्या आप जानते हैं कि गोभी की परतों में छोटे-छोटे कीड़े छिपे हो सकते हैं। अगर इसे ठीक से साफ न किया जाए, तो ये कीड़े

शरीर में जाकर गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। कई मामलों में तो इन कीड़ों की वजह से लोगों की मौत तक हो गई है। इसलिए पत्ता गोभी को काटकर या पकाने से पहले अच्छी तरह साफ करना बेहद जरूरी है। गोभी को सिर्फ ऊपर से धो लेना काफी नहीं होता, क्योंकि कीड़े पत्तों की अंदरूनी परतों में छिपे रहते हैं। इस लेख में हम आपको पत्ता गोभी को सही तरीके से साफ करने का आसान और असरदार तरीका बताएंगे, जिससे आपकी सेहत सुरक्षित रहे और खाने का स्वाद भी बना रहे। अगर आप पत्ता गोभी को सही से साफ करना चाहते हैं तो इसे साफ करने की शुरूआत हमेशा उसकी बाहरी पत्तियों से करनी चाहिए। सबसे पहले पत्ता गोभी की ऊपर की 2 से 3 पत्तियां निकालकर अलग कर दें और फेंक दें, क्योंकि इन्हीं पत्तियों पर सबसे ज्यादा धूल, मिट्टी, कीटनाशक और छोटे कीड़े चिपके होते हैं। इसके बाद पत्ता गोभी को साफ चाकू की मदद से बीच से दो या चार हिस्सों में काट लें। ऐसा करने से अंदर की परतें खुल जाती हैं और छिपे हुए कीड़े आसानी से नजर आने लगते हैं। अब एक बड़े और गहरे बर्तन में साफ पानी भरें। इसमें एक से दो चम्मच नमक या फिर थोड़ा सा सिरका मिला दें। इस नमक या सिरके वाले पानी में पत्ता गोभी के कटे हुए टुकड़ों को पूरी तरह डुबोकर 10 से 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इस दौरान नमक या सिरका का असर अंदर छिपे कीड़ों और बैक्टीरिया पर पड़ता है, जिससे वे पत्तियों से बाहर निकल आते हैं और पानी में तैरने लगते हैं। समय पूरा होने के बाद पत्ता गोभी को पानी से निकालें और साफ बहते पानी में 2 से 3 बार अच्छी तरह धोएं। ध्यान रखें कि हर पत्ती को थोड़ा खोलकर धोया जाए, ताकि कोई गंदगी या कीड़ा अंदर न रह जाए।

बिना ड्राई क्लीनिंग के ऐसे साफ करें पफर जैकेट, ताकि दिखे एकदम नयी जैसी

अगर आप भी अपनी पफर जैकेट को घर पर धोना चाहते हैं, तो यहां हम आपको उसका सही तरीका बताने जा रहे हैं। सर्दियों में पफर जैकेट हर किसी की पहली पसंद होती है, क्योंकि ये हल्की होने के साथ-साथ शरीर को अच्छी गर्मी देती है। इसे पहनने के बाद आपको कोई और वुलेन कपड़े पहनने की जरूरत नहीं होती। पर, क्या आप जानते हैं कि अगर पफर जैकेट की सही देखभाल न की जाए तो इसकी शेप और गर्माहट दोनों खराब हो सकती हैं। इतना ही नहीं, गलत तरीके से धोने पर जैकेट की फाइबर खराब हो जाती है, जिसके बाद जैकेट सिकुड़ने लगती है। इसलिए पफर जैकेट धोने से पहले उसका सही तरीका जानना बेहद जरूरी है। इस लेख में हम आपको स्टेप-बाय-स्टेप बताएंगे कि पफर जैकेट को घर पर कैसे धोया जाए, ताकि वह साफ भी रहे और उसकी क्वालिटी भी लंबे समय तक बनी रहे।

घर पर पफर जैकेट धोने का सही तरीका

पफर जैकेट धोने से पहले सबसे जरूरी है उसका केयर लेबल ध्यान से पढ़ना। हर जैकेट के अंदर एक लेबल लगा होता है, जिसमें उसे धोने का सही तरीका लिखा होता है। इस लेबल पर बताया जाता है कि जैकेट मशीन वॉश के लिए सुरक्षित है या नहीं, पानी का तापमान कितना होना चाहिए और ड्रायर का इस्तेमाल किया जा सकता है या नहीं। इसके बाद जैकेट की सभी जिप, बटन और वेल्क्रो स्ट्रैप बंद कर दें, ताकि धोते समय कपड़ा फटे नहीं। अगर जैकेट पर तेल, मिट्टी या किसी तरह के जिद्दी दाग लगे हों, तो हल्के डिटर्जेंट या लिक्विड सोप की मदद से पहले उन्हें धीरे-धीरे रगड़कर साफ कर लें। इसके बाद जैकेट को वॉशिंग मशीन में अकेले ही डालें, ताकि दूसरी चीजों से रगड़ न लगे। मशीन में हमेशा डेलिकेट या जेंटल मोड का चुनाव करें और ठंडे पानी का ही इस्तेमाल करें। गर्म पानी से पफर जैकेट की अंदर की फाइबर खराब हो सकती है, जिससे जैकेट की गर्माहट कम हो जाती है। डिटर्जेंट बहुत कम मात्रा में डालें और फैब्रिक सॉफ्टनर का बिल्कुल इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे जैकेट चिपचिपी और भारी हो सकती है। धोने के बाद जैकेट को हाथ से मरोड़ने या निचोड़ने से बचें। इसे सीधा किसी सपाट जगह पर फैलाकर सुखाएं या फिर ड्रायर में लो हीट मोड पर रखें। ड्रायर में 2 से 3 टेनिस बॉल डाल देने से जैकेट के अंदर की फाइबर आपस में चिपकती नहीं है और ये फूली-फूली बनी रहती है। बस इस तरह से आप अपनी पफर जैकेट धो सकते हैं

अधिकतर महिलाओं में होती है इन चार पोषक तत्वों की कमी, इनके लक्षणों से कर सकते हैं पहचान

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हमारे देश की ज्यादातर महिलाएं आयरन की कमी से परेशान हैं। इसके अलावा भी कई ऐसे पोषक तत्व हैं जिनकी कमी कई महिलाओं में देखने को मिलती हैं। आइए इस लेख में उन्हीं पोषक तत्वों के कमी के लक्षणों के बारे में विस्तार से जानते हैं। भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर एक गंभीर चिंता का विषय उनके शरीर में कुछ आवश्यक पोषक तत्वों की भारी कमी है। अक्सर घर और कामकाज की जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अपनी डाइट और सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं, जिसके परिणाम लंबे समय में बेहद घातक हो सकते हैं। पोषण की यह कमी केवल शारीरिक कमजोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हार्मोनल असंतुलन, मानसिक तनाव और गंभीर बीमारियों का आधार बनती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि आधे से अधिक भारतीय महिलाएं एनीमिया यानी आयरन की कमी से जूझ रही हैं। इसके अलावा विटामिन-डी, विटामिन-बी12 और कैल्शियम की कमी उन्हें समय से पहले हड्डियों की बीमारी और तंत्रिका तंत्र की समस्याओं की ओर धकेल रही है। शरीर इन कमियों को कुछ खास संकेतों और लक्षणों के माध्यम से प्रकट करता है, जिन्हें अगर समय रहते पहचान लिया जाए, तो केवल आहार में सुधार करके एक स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। इन पोषक तत्वों की कमी को समझना और उनके लक्षणों के प्रति जागरूक होना हर महिला के लिए अपनी सेहत की सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। आइए इस लेख में उन्हीं लक्षणों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

आयरन की कमी

आयरन की कमी या एनीमिया महिलाओं में सबसे आम है। इसका मुख्य लक्षण बिना किसी भारी काम के भी अत्यधिक थकान, सांस फूलना और त्वचा का पीला पड़ना है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन बनाता है जो ऑक्सीजन पहुंचाता है। इसकी कमी होने पर एकाग्रता में कमी और हाथ-पैर ठंडे रहने की समस्या भी होती है। इससे बचाव के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, गुड़ और अनार को डाइट में शामिल करना चाहिए।

कैल्शियम और विटामिन-ऊकी कमी

ज्यादातर महिलाओं को पीठ दर्द, जोड़ों में जकड़न और मांसपेशियों में ऐंठन की शिकायत रहती है, जो कैल्शियम और विटामिन-ऊकी कमी का संकेत है। विटामिन-ऊ के बिना शरीर कैल्शियम को सोख नहीं पाता, जिससे हड्डियां खोखली होने लगती हैं। अगर आपके नाखूनों में सफेद निशान हैं या दांत कमजोर हो रहे हैं, तो धूप में समय बिताने के साथ-साथ डेयरी उत्पादों का सेवन बढ़ाएं।

विटामिन-इ12 की कमी

विटामिन-इ12 की कमी नसों और मस्तिष्क को प्रभावित करती है। अगर आपको अक्सर हाथों-पैरों में सुई चुभने जैसी झनझनाहट, चक्कर आना या बार-बार भूलने की बीमारी हो रही है, तो यह इ12 की कमी हो सकती है। शाकाहारी महिलाओं में यह कमी अधिक देखी जाती है क्योंकि यह विटामिन मुख्य रूप से पशु उत्पादों में मिलता है। इसकी कमी से मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन भी बढ़ जाता है।

नियमित जांच और संतुलित आहार

इन पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए केवल सप्लीमेंट्स पर निर्भर रहने के बजाय नेचुरल फूड प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। साल में कम से कम एक बार कंप्लीट ब्लड काउंट और विटामिन प्रोफाइल टेस्ट जरूर कराएं। अपनी आहार में विविधता लाएं और शरीर के संकेतों को अनसुना न करें। ध्यान रखें एक स्वस्थ महिला ही एक स्वस्थ परिवार और समाज की नींव होती है।

इन लोगों का साथ नहीं छोड़ती किस्मत, क्या आपका मूलांक भी हैं इनमें शामिल ?

कहा जाता है कि अगर व्यक्ति को किस्मत का साथ मिले, तो वह जीवन में कोई भी मुकाम हासिल कर सकता है। वहीं, अगर किस्मत साथ न दे, तो जीवन में परेशानियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में जानना रोचक है कि कौन-से मूलांक वाले जातक किस्मत के धनी

माने जाते हैं। अंक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति की जन्म तिथि से उसका मूलांक पता किया जाता है। हर मूलांक का किसी ग्रह से संबंध होता है, और उसी ग्रह का प्रभाव उस मूलांक के जातक पर दिखाई देता है। आइए जानते हैं वे लकी मूलांक, जिन्हें किस्मत का पूरा साथ मिलता है।

मूलांक 2: दूसरों पर निर्भर नहीं होते

जन्म तिथिः 2, 11, 20, 29

ग्रह स्वामीः चंद्रदेव

लक्षणः शांत, धैर्यवान, विचारशील और आत्मविश्वासी

किस्मतः यह जातक अपनी बुद्धि और मेहनत से सफलता पाते हैं। जीवन में सुख, शांति और समृद्धि इनके साथ रहती है। ये लोग दूसरों पर निर्भर रहना पसंद नहीं करते।

मूलांक 6: ऐशो-आराम के शौकीन

जन्म तिथिः 6, 15, 24

ग्रह स्वामीः शुक्र देव

लक्षणः आकर्षक, खुशमिजाज, वफादार और लग्जरी चीजों के प्रेमी

किस्मतः इनका जीवन दौलत और शोहरत से भरा रहता है। किस्मत का पूरा साथ उन्हें ऐशो-आराम की जिंदगी देता है।

मूलांक 7: लकी और आध्यात्मिक

जन्म तिथिः 7, 16, 25

ग्रह स्वामीः केतु

लक्षणः आध्यात्मिक, दार्शनिक, चिंतनशील और शांत

किस्मतः अच्छे भाग्य के कारण मूलांक 7 के जातकों को हर काम में सफलता मिलती है। इन्हें भी लकी मूलांक में गिना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में यह माना जाता है कि मूलांक 2, 6 और 7 वाले जातक किस्मत के धनी माने जाते हैं। यदि आपका जन्म इन तारीखों में हुआ है, तो आप जीवन में सफलता, सुख और समृद्धि की ओर अग्रसर हो सकते हैं

सांस से लेकर त्वचा तक, सूखी ठंड सेहत के लिए क्यों बढ़ाता है खतरा

भारत में इन दिनों मौसम का मिजाज आम लोगों को परेशान कर रहा है। दोपहर में धूप थोड़ी राहत देती है, लेकिन सुबह और शाम की ठंड कंपकंपाने पर मजबूर कर रही है। इस दोहरे मौसम का सबसे ज्यादा असर त्वचा और सेहत पर देखा जा रहा है। लोगों को मॉइस्चराइजर लगाने के बावजूद हाथ-पैर, एड़ियां और होंठ

फटने की समस्या हो रही है। हेल्थ एक्सपर्ट्स इसे सूखी ठंड का असर बता रहे हैं।

ठंड के दो प्रकार

सूखी ठंडः हवा में नमी बहुत कम (30.40ः) होती है। पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवाएं और तेज धूप हवा को और अधिक शुष्क बना देती हैं। इससे त्वचा से नमी तेजी से उड़ जाती है , और त्वचा रूखी, खुरदरी और फटी हो जाती है।

नम ठंडः हवा में नमी ज्यादा (70ः.) होती है, जैसे बारिश या कोहरे के दौरान। यह ठंड ज्यादा महसूस होती है, लेकिन त्वचा को पर्याप्त नमी मिलती रहती है, इसलिए त्वचा फटती नहीं।

सूखी हवा कैसे नुकसान पहुंचाती है?

त्वचा के प्राकृतिक तेल कम हो जाते हैं, छोटी दरारें पड़ जाती हैं।

नाक और गले की अंदरूनी परतें सूख जाती हैं, जिससे वायरल संक्रमण, खांसी और सांस संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

त्वचा को ठंड से बचाने के उपाय

मॉइस्चराइजर या मरहम इस्तेमाल करेंः पेट्रोलियम जेली, शिया बटर या सेरामाइड वाले उत्पाद बेहतर।

3 मिनट का नियमः नहाने या हाथ धोने के 3 मिनट के अंदर मॉइस्चराइजर लगाएं।

हवा और धूप से बचावः टोपी, दस्ताने, स्कार्फ का इस्तेमाल करें।

ूमिडिफायरः कमरे में रात को हवा में नमी बनाए रखने के लिए उपयोग करें।

स्वास्थ्य के लिए सावधानियां

हाइड्रेशनः पर्याप्त पानी पीते रहें।

श्वसन तंत्र की सुरक्षाः फ्लू, निमोनिया से बचाव के लिए टीकाकरण, अस्थमा और सीओपीडी मरीज अपनी दवाइयां नियमित लें।

हीटर का सही इस्तेमालरू कमरे में हवा के आने-जाने की व्यवस्था रखें। बारिश या नम हवा आने से हवा में नमी बढ़ जाती है। इससे सूखी ठंड का असर कम होता है, त्वचा को नमी मिलती है, और मौसम नम ठंड में बदल जाता है।

बौद्ध सर्किट लिख रहा पर्यटन विकास का नया अध्याय: जयवीर

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हुए बौद्ध आस्था और विरासत के केंद्र के रूप में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 2025 में प्रदेश ने बौद्ध सर्किट के जरिए दुनिया भर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करते हुए 82 लाख आगंतुकों का स्वागत किया, जिनमें 4.40 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। विशेष रूप से कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन के प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरकर सामने आया, जहां विदेशी श्रद्धालुओं की सर्वाधिक आमद दर्ज की गई। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश आज वैश्विक बौद्ध आस्था का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। दुनिया भर के बौद्ध धर्मावलंबी अपनी ह्यबोधि यात्राह्न की शुरूआत उत्तर प्रदेश से करने को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे राज्य में इनबाउंड टूरिज्म में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। सारनाथ, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, संकिसा, कौशांबी और कुशीनगर जैसे भगवान बुद्ध के जीवन और संदेश से जुड़े पवित्र स्थलों के भ्रमण को श्रद्धालु जीवन की पवित्र यात्रा मानते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश का पर्यटन क्षेत्र निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

टी20 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 60 फीसदी मैच जीते

अहमदाबाद। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 में 35 मुकाबले हुए हैं, जिनमें भारत ने 60 प्रतिशत मैच जीते हैं। डेविड मिलर सबसे ज्यादा रन और छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं, जबकि अर्शदीप सिंह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भी भारत का रिकॉर्ड बेहतर रहा है। सुपर-8 में यह टक्कर रोमांच से भरपूर रहने वाली है। भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें आज सुपर-8 चरण में आमने-सामने होंगी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले को लेकर फैंस बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि 2024 टी20 विश्वकप फाइनल में भारत की जीत ने इस प्रतिद्वंद्विता को और रोमांचक बना दिया है।इतिहास और मौजूदा फॉर्म दोनों ही इस मुकाबले को खास बना रहे हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 मुकाबले हमेशा रोमांच से भरे रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस फॉर्मेट में टीम इंडिया का पलड़ा थोड़ा भारी रहा है। दोनों टीमों के बीच 2006 से अब तक 35 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं, जिनमें भारत ने 21 मुकाबले जीते, दक्षिण अफ्रीका ने 13 मैच अपने नाम किए, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा

रहा। यानी जीत का प्रतिशत करीब 60 फीसदी भारत के पक्ष में रहा है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत का रिकॉर्ड टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भी भारत का प्रदर्शन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहतर रहा है। दोनों टीमों के बीच विश्व कप में अब तक सात मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें से पांच भारत ने जीते हैं। दक्षिण अफ्रीका ने सिर्फ दो मैच जीते हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्वकप में पिछली बार साल 2024 टी20 विश्वकप के फाइनल में आमने-सामने आए थे। इस मुकाबले को भारत ने सात रन से जीता था। सबसे ज्यादा रन: मिलर और डिकॉक का जलवा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 मुकाबलों में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड मिलर के नाम है। उन्होंने 28 मैचों में 563 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। दूसरे स्थान पर क्विंटन डिकॉक हैं, जिन्होंने 15 मैचों में 507 रन बनाए। ये दोनों बल्लेबाज 500+ रन बनाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड तिलक वर्मा (496 रन) के नाम है। इसके बाद रोहित शर्मा (429 रन) और मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव (406 रन) का नाम आता है। सूर्यकुमार ने एक शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं, जो दशार्ता है कि उन्हें प्रोटियाज गेंदबाजी रास आती है। छक्कों का बादशाह कौन? छक्कों की बात करें तो यहां भी डेविड मिलर टॉप पर हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 36 छक्के लगाए हैं। दूसरे नंबर पर भारत के तिलक वर्मा हैं, जिनके नाम 28 छक्के दर्ज हैं। हेनरिक क्लासेन ने 25 और क्विंटन डिकॉक ने 24 छक्के जड़े हैं। सूर्यकुमार यादव भी 25 छक्कों के साथ इस सूची में क्लासेन की बराबरी पर हैं। क्लासेन संन्यास ले चुके हैं, जो कि भारत के लिए अच्छी खबर है। साथ ही यह भी स्पष्ट है कि इस प्रतिद्वंद्विता में बड़े शॉट्स का अहम रोल रहा है। विकेटों का सिकंदर कौन? गेंदबाजी में भारत का दबदबा साफ नजर आता है। अर्शदीप सिंह भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 मुकाबलों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 14 मैचों में 23 विकेट चटकाए हैं। उनके ठीक पीछे वरुण चक्रवर्ती हैं, जिन्होंने सिर्फ आठ मैचों में 22 विकेट लिए हैं और एक बार पांच विकेट भी झटके हैं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी ने भारत के खिलाफ 16 विकेट लिए हैं। केशव महाराज (15 विकेट) और भुवनेश्वर कुमार (14 विकेट) भी इस सूची में शामिल हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि भारत की गेंदबाजी इकाई ने इस प्रतिद्वंद्विता में अहम भूमिका निभाई है। ग्रुप स्टेज में दोनों टीमों का प्रदर्शन टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप चरण में भारत ने सभी चार मैच जीतकर दबदबा कायम रखा। यूएसए, नामीबिया, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स को हराकर टीम इंडिया सुपर-8 में पहुंची। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी कनाडा, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड और यूएई के खिलाफ जीत दर्ज कर शानदार लय दिखाई। दोनों टीमें अजेय रफ्तार के साथ सुपर-8 में प्रवेश कर रही हैं, जिससे मुकाबला और रोमांचक हो गया है। आंकड़ों में भारत आगे, लेकिन मुकाबला टक्कर का इतिहास गवाह है कि टी20 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 60 प्रतिशत मैच जीते हैं। रन और छक्कों में डेविड मिलर का दबदबा है, जबकि विकेटों के मामले में अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती आगे हैं।हालांकि, मौजूदा फॉर्म और बड़े मैच का दबाव किसी भी टीम के पक्ष में पलड़ा झुका सकता है। ऐसे में सुपर-8 का यह मुकाबला आंकड़ों से परे जाकर जज्बे और प्रदर्शन की असली परीक्षा होगा।

फॉर्मेट पर उठे सवालों पर सुनील गावस्कर की दो टूक राय, पूछा- पहले क्यों नहीं आपत्ति जताई?

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 फॉर्मेट को लेकर आईसीसी की आलोचना हो रही है। प्री-सीडिंग के कारण सभी ग्रुप विजेता एक ही ग्रुप में आ गए हैं। इस पर सुनील गावस्कर ने कहा कि अब सवाल उठाना बेकार है और लॉजिस्टिक कारणों से यह फैसला लिया गया होगा। आईसीसी ने इसे आयोजन की जरूरत बताया है। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 चरण के लिए जैसे ही दोनों ग्रुप घोषित हुए, सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा अपनाए गए 'प्री-सीडिंग' फॉर्मेट के कारण सभी चार ग्रुप विजेता-

भारत, जिम्बाब्वे, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका को एक ही ग्रुप में रखा गया। वहीं दूसरे ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड शामिल हैं। इस व्यवस्था के चलते आलोचकों का मानना है कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमें ही ह्यग्रुप ऑफ डेथह्न में फंस गई हैं, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों का रास्ता अपेक्षाकृत आसान हो गया है। सुनील गावस्कर का स्पष्ट रुख भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस विवाद पर साफ शब्दों में अपनी राय रखी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब टूर्नामेंट शुरू होने से पहले फॉर्मेट तय था, तब किसी ने आपत्ति क्यों नहीं जताई? गावस्कर का कहना है कि अब इस मुद्दे को उठाना व्यर्थ है। उनके अनुसार, अगर किसी को फॉर्मेट से समस्या थी तो उसे पहले ही आवाज उठानी चाहिए थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आईसीसी के पास इस निर्णय के पीछे ठोस कारण रहे होंगे। लॉजिस्टिक्स भी बड़ी वजह गावस्कर ने प्री-सीडिंग के पीछे लॉजिस्टिक कारणों को अहम बताया। चूंकि टूर्नामेंट दो देशों में खेला जा रहा है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा, वीजा, इमिग्रेशन, कस्टम क्लियरेंस, होटल बुकिंग और उड़ानों की व्यवस्था जैसे कई पहलुओं पर पहले से योजना बनानी पड़ती है। हर टीम का सपोर्ट स्टाफ अलग-अलग संख्या में होता है। कुछ टीमें 35-40 कमरों की जरूरत रखती हैं, जबकि कुछ कम लोगों के साथ यात्रा करती हैं। ऐसे में आयोजकों को महीनों पहले होटल और यात्रा की पुष्टि करनी होती है। गावस्कर के मुताबिक, संभवतः इन्हीं व्यावहारिक कारणों से आईसीसी ने प्री-सीडिंग का फैसला लिया। प्री-सीडिंग विवाद क्या है? दरअसल, विवाद इस बात को लेकर है कि सुपर 8 के ग्रुप टूर्नामेंट से पहले तय रैंकिंग के आधार पर बनाए गए, न कि ग्रुप चरण के वास्तविक प्रदर्शन के आधार पर। आलोचकों का तर्क है कि यह व्यवस्था ह्लउत्कृष्टता को दंडितह्न करती है, क्योंकि जो टीमें ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहीं, उन्हें एक-दूसरे से ही भिड़ना पड़ रहा है। इससे सेमीफाइनल की राह कठिन हो गई है।

आज इंग्लैंड बनाम श्रीलंका सुपर-8 मुकाबले पर बादलों का पहरा

पल्लेकेले। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच सुपर-8 मुकाबले पर भारी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। पल्लेकेले में पहले भी मैच रद्द हो चुका है। मौसम विभाग ने आंधी-तूफान और तेज बारिश की चेतावनी दी है। ऐसे में मैच के ओवर घटने या रद्द होने की संभावना है, जो सुपर-8 के समीकरण पर बड़ा असर डाल सकती है। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में जहां फैंस रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद कर रहे थे, वहीं बारिश ने खेल का मजा किरकिरा करने की ठान ली है।

कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान-न्यूजीलैंड मैच पहले ही बारिश की वजह से रद्द हो चुका है। अब कैंडी के पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच होने वाले मुकाबले पर भी काले बादल मंडरा रहे हैं। मौसम विभाग ने रविवार को आंधी-तूफान और भारी बारिश की चेतावनी दी है। ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि मैच या तो देरी से शुरू होगा, ओवर घटाए जा सकते हैं या फिर पूरी तरह रद्द भी हो सकता है। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच सुपर-8 मुकाबला दोपहर तीन बजे शुरू होगा और टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर ढाई बजे होगा। पहले भी रद्द हो चुका है मैच पल्लेकेले में इस टूर्नामेंट के दौरान जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच एक मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके रद्द करना पड़ा था। इससे साफ है कि यहां का मौसम बेहद अनिश्चित बना हुआ है। अगर इंग्लैंड-श्रीलंका मैच भी बारिश की भेंट चढ़ता है, तो दोनों टीमों के सुपर-8 अभियान पर बड़ा असर पड़ सकता है। अंक तालिका में हर अंक की अहमियत है, और रद्द मुकाबला समीकरण पूरी तरह बदल सकता है। पिच रिपोर्ट: स्पिन और स्लो ट्रैक का असर पाल्लो के लो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच आमतौर पर धीमी रहती है और स्पिन गेंदबाजों को मदद देती है। पहली पारी में बल्लेबाजी अपेक्षाकृत आसान होती है, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, गेंद रुककर आने लगती है। पहली पारी का औसत स्कोर 165-170 रन के आसपास है, हालांकि हाल के कुछ मैचों में 200 से अधिक रन भी बने हैं। लेकिन बारिश की स्थिति में पिच की प्रकृति बदल सकती है। नमी के कारण गेंद स्विंग भी कर सकती है, जिससे तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त मदद मिल सकती है। हेड-टू-हेड: इंग्लैंड का दबदबा टी20 इंटरनेशनल में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच अब तक 16-17 मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिनमें इंग्लैंड ने 12-13 मैच जीते हैं, जबकि श्रीलंका को सिर्फ चार जीत मिली हैं। आंकड़े बताते हैं कि इंग्लैंड का पलड़ा भारी रहा है। हालांकि, मौजूदा टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा। बल्लेबाजी में जोस बटलर और कप्तान हैरी ब्रूक उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना पाए हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका की ओर से पथुम निसांका और कुशल मेंडिस शानदार फॉर्म में हैं। लेकिन इन सभी आंकड़ों और फॉर्म से ऊपर अगर कोई चीज है, तो वह है मौसम। अगर बारिश लगातार जारी रहती है, तो रणनीतियां धरी की धरी रह जाएंगी। ओवर घटने की स्थिति में क्या होगा? अगर मैच देरी से शुरू होता है और ओवर घटाए जाते हैं, तो टीमें आक्रामक रणनीति अपनाएंगी। छोटे मुकाबले में हर गेंद की अहमियत बढ़ जाती है। ऐसे में पावरप्ले निर्णायक साबित हो सकता है। बारिश से प्रभावित मैचों में टॉस भी बड़ी भूमिका निभाता है। कप्तान पहले गेंदबाजी का फैसला कर सकते हैं, ताकि डकवर्थ-लुईस नियम का फायदा मिल सके। सुपर-8 की तस्वीर पर असर सुपर-8 चरण में हर मुकाबला नॉकआउट जैसा अहम है। अगर यह मैच रद्द होता है, तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा। इससे अन्य टीमों के लिए समीकरण बदल सकते हैं। पहले ही पाकिस्तान-न्यूजीलैंड मैच रद्द होने से अंक तालिका में उलझन बढ़ गई है। अगर एक और मुकाबला बारिश की वजह से प्रभावित होता है, तो सेमीफाइनल की राह और कठिन हो जाएगी। रोमांच या बारिश की रुकावट?। कागजों पर इंग्लैंड का रिकॉर्ड बेहतर है और श्रीलंका घरेलू हालात का फायदा उठा सकता है। लेकिन इस मुकाबले का असली ह्यगेम चेंजरह्न मौसम साबित हो सकता है। अगर बारिश ने साथ छोड़ा, तो फैंस को एक रोमांचक भिड़ंत देखने को मिल सकती है। लेकिन अगर बादल मेहरबान रहे, तो सुपर-8 का यह मुकाबला भी अधूरा रह सकता है।

सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी भारतीय टीम , इतने बजे से खेला जाएगा मुकाबला

अहमदाबाद। टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में रविवार को उन दो टीमें एक दूसरे के सामने होंगी, जो पिछली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच ये मुकाबला दोनों टीमों के लिए ही काफी अहम है। आइए जानते हैं कि फैंस ये मैच कब और कहां देख सकेंगे... ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। भारत ने खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत किया है, लेकिन उसकी असली परीक्षा अब शुरू होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन, केशव महाराज और एडेन मार्करम के रूप

में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। भारत को बल्लेबाजी में करना होगा सुधार भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी। भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। बल्लेबाजों को निभानी होगी जिम्मेदारी भारतीय टीम के लिए भले ही अभिषेक की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, लेकिन पहले चरण में तिलक की लचर बल्लेबाजी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 24 गेंदों में 25 रन, नामीबिया के खिलाफ 21 गेंदों में 25 रन और नीदरलैंड के खिलाफ 27 गेंदों में 31 रन बनाए। इस तरह से वह अभी तक अधिकतर मैच में रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे। टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट 120 से थोड़ा ऊपर है जो उनके करियर के स्ट्राइक रेट 141 से काफी कम है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ 49 गेंद पर नाबाद 84 रन की मैच विजेता पारी खेलने के बाद कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। मजबूत है गेंदबाजी आक्रमण भारत को एक बात जो खतरनाक टीम और अब भी खिताब का प्रबल दावेदार बनाती है, वह है उसका गेंदबाजी आक्रमण जिसमें जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती के महत्वपूर्ण आठ ओवर शामिल हैं। पहले चरण में पाकिस्तान सहित कोई भी अन्य टीम भारतीय गेंदबाजों का सहजता से सामना नहीं कर पाई थी। वरुण ने चार मैचों में नौ विकेट लिए हैं और उन्होंने 5.16 की शानदार इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की है। बुमराह ने जो तीन मैच खेले हैं उसमें उन्होंने किफायती गेंदबाजी करते हुए प्रति ओवर केवल छह रन ही दिए हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच कब खेला जाएगा? भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच 22 फरवरी यानी रविवार को खेला जाएगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच कहां खेला जाएगा? भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच कितने बजे से खेला जाएगा? भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम 6:30 बजे होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्व कप का मैच कहां देख पाएंगे? टी20 विश्व कप के प्रसारण अधिकार स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चैनलों पर देख सकेंगे। वहीं, डीडी फ्री डिश पर भी इस मैच को आप लाइव देख सकेंगे। डीडी स्पोर्ट्स पर भी यह मैच प्रसारित किया जाएगा। इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी। आप पर भी मैच के लाइव अपडेट्स पढ़ सकते हैं।

बेटे अगस्त्य और पूर्व पत्नी स्टैनकोविक के लिए हार्दिक का चार करोड़ का तोहफा

मुंबई। हार्दिक पांड्या और नताशा स्टैनकोविक के अलगाव के बाद भी उनके रिश्ते में परिपक्वता दिख रही है। हाल ही में नताशा को बेटे अगस्त्य के साथ चार करोड़ रुपये की एसयूवी कार के साथ देखा गया, जिससे चर्चा तेज हो गई। सोशल मीडिया पोस्ट ने अटकलों को और हवा दी। दोनों अपने बेटे की संयुक्त परवरिश को प्राथमिकता दे रहे हैं। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और उनकी पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक भले ही अलग हो चुके हों, लेकिन अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश को लेकर दोनों की समझदारी लगातार चर्चा में है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नई लग्जरी एसयूवी को लेकर फैंस हैरान रह गए। काले रंग की इस शानदार कार की कीमत करीब तीन से चार करोड़ रुपये बताई जा रही है।

नताशा को बेटे अगस्त्य के साथ इस कार के पास पोज देते देखा गया, जिसके बाद यह खबर तेजी से वायरल हो गई। बताया जा रहा है कि यह कार हार्दिक ने बेटे अगस्त्य के लिए खरीदी है। अगस्त्य के साथ स्टैनकोविक भी कार शो रूम साथ पहुंचीं। अगस्त्य स्टैनकोविक के साथ ही रह रहे हैं। सोशल मीडिया पोस्ट से बढ़ीं अटकलें इस मौके की तस्वीरें वाहन निमार्ता कंपनी ने खुद साझा कीं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, 'हार्दिक पांड्या ने एक बार फिर हमारी कंपनी को अपनी लग्जरी गाड़ी खरीदने के लिए चुना। विश्वास पर बना रिश्ता। उत्कृष्टता पर आधारित निर्णय। मुंबई में अगस्त्य पांड्या और स्टैनकोविक को डिलीवर की गई लैंड रोवर डिफेंडर।' इस कैप्शन के बाद यह चर्चा और तेज हो गई कि क्या यह कार हार्दिक की ओर से एक खास तोहफा है। अलगाव के बाद भी जिम्मेदारी जुलाई 2024 में आधिकारिक रूप से अलग होने के बाद भी हार्दिक और नताशा ने बेटे अगस्त्य की संयुक्त परवरिश को प्राथमिकता दी है। दोनों को कई मौकों पर बेटे के साथ समय बिताते देखा गया है। हार्दिक का नाम हाल ही में अभिनेत्री माहिका शर्मा के साथ जुड़ने की खबरों में भी रहा, लेकिन उन्होंने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि उनका बेटा उनकी पहली प्राथमिकता है। हार्दिक ने हाल ही में गर्लफ्रेंड माहिका के जन्मदिन पर एक क्यूट वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में दोनों निजी पल बिताते दिखे थे। हार्दिक भारत के टी20 विश्वकप मैचों में भी माहिका के साथ दिखे थे, जिस पर काफी विवाद भी हुआ था।

अभिषेक पर बरकरार रहेगा टीम प्रबंधन का भरोसा

अहमदाबाद। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सुपर आठ का मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच के लिए टीम में बड़े बदलाव की संभावना कम है, लेकिन टीम तीन स्पिनरों के साथ उतर सकती है। वहीं, अक्षर पटेल की भी एकादश में वापसी संभव है। ग्रुप चरण में अजेय रहने के बाद भारतीय टीम अब रविवार से टी20 विश्व कप में सुपर आठ चरण की शुरूआत करने उतरेगी। गत चैंपियन भारत का सामना

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पिछले बार की उपविजेता टीम से होगा। हाल ही में दोनों टीमों के बीच द्विपक्षीय टी20 सीरीज भी हुई थी, लेकिन विश्व कप के अहम मोड़ पर आकर मुकाबला खेलना दोनों के लिए ही आसान नहीं रहना वाला है। इस बात की संभावना कम है कि इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम में कुछ बड़े बदलाव होंगे। तिलक और सूर्यकुमार को संभालना होगा मोर्चा सुपर आठ में भारत को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है, लेकिन इन दोनों ने ऐसी पिचों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है। टीम को इन दोनों ऑलराउंडर से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अक्षर की वापसी से वॉशिंगटन को बैठना पड़ेगा बाहर भारत ने नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण के अंतिम मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल को आराम दिया था। उस मैच में अक्षर की जगह वॉशिंगटन सुंदर खेलने उतरे थे यह लगभग तय है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर प्लेइंग-11 में वापसी करेंगे। अक्षर की वापसी से यह तय है कि वॉशिंगटन को बाहर बैठना पड़ेगा क्योंकि टीम में पहले से ही हार्दिक और शिवम के रूप में दो ऑलराउंडर मौजूद हैं। अर्शदीप या कुलदीप, किसके साथ जाएगा भारत? पाकिस्तान के खिलाफ मैच को छोड़ दिया जाए तो भारत अब तक दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरा है। नीदरलैंड के खिलाफ मैच अहमदाबाद में ही हुआ था और उस मैच में स्पिनरों को पिच से मदद मिली थी।

सुपर-8 का संग्राम: इन तीन सितारों पर टिकी भारत की जीत की उम्मीद

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में भारत की जीत की उम्मीद ईशान किशन, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती पर टिकी है। आक्रामक बल्लेबाजी, ऑलराउंड प्रदर्शन और रहस्यमयी स्पिन, ये तीनों पहलू भारत को बढ़त दिला सकते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होने जा रहा है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। यह अहम मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां अक्सर हाई-स्कोरिंग मैच देखने को मिलते हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही टीमें दमदार फॉर्म में हैं, लेकिन इस मुकाबले में तीन भारतीय खिलाड़ी ऐसे हैं जो अपने प्रदर्शन से मैच का पासा पलट सकते हैं। ईशान किशन: पावरप्ले का तूफान सलामी बल्लेबाज ईशान किशन इस विश्व कप में शानदार लय में नजर आए हैं। चार मैचों में 202 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाकर उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाया है। पाकिस्तान के खिलाफ 44 गेंदों पर 77 रन की उनकी पारी ने मैच का रुख बदल दिया था। ईशान की खासियत है कि वे पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी कर विपक्ष को बैकफुट पर धकेल देते हैं। अहमदाबाद की बल्लेबाजों के अनुकूल पिच पर उनसे एक और धमाकेदार शुरूआत की उम्मीद रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने की क्रिकेट पर चर्चा, टी20 विश्वकप में चमके भारतीय मूल के खिलाड़ियों को सराहा

नई दिल्ली। ह्यमन की बातह्न के 131वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्व कप में हिस्सा ले रहे भारतीय मूल के खिलाड़ियों की सराहना की। अमेरिका, कनाडा और ओमान की टीमों में खेल रहे खिलाड़ियों को उन्होंने भारतीय प्रतिभा का वैश्विक प्रतीक बताया और युवाओं को खेल से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 131वें एपिसोड में टी20 विश्व कप 2026 का विशेष उल्लेख किया। इस दौरान उन्होंने उन भारतीय मूल के खिलाड़ियों की खुलकर सराहना की, जो अमेरिका, कनाडा और ओमान जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। भारतीय मूल के खिलाड़ियों पर गर्व पीएम मोदी ने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह संस्कृतियों और देशों को जोड़ने का माध्यम भी बनता है। उन्होंने खास तौर पर उन खिलाड़ियों का जिक्र किया, जिनकी जड़ें भारत से जुड़ी हैं और जो विदेशों की राष्ट्रीय टीमों में खेलते हुए भी भारतीय संस्कृति और मूल्यों से प्रेरणा लेते हैं। कनाडा की टीम से जुड़े दिलप्रीत बाजवा, हर्ष ठाकेर और नवनीत धालीवाल, अमेरिका की टीम से जुड़े सौरभ नेत्रवलकर, हरमीत सिंह और मोनांक पटेल का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। पीएम मोदी ने कहा कि यह भारतीय प्रतिभा की वैश्विक पहचान का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'जो खेले वो खिले, खेल हमें जोड़ता भी है। आजकल आप टी-20 वर्ल्ड कप के मैच देख रहे होंगे। मुझे विश्वास है कि मैच देखते हुए आंखें किसी खास खिलाड़ी पर टिक जाती होंगी। जर्सी किसी देश की होती है और नाम सुनकर लगता है कि ये तो अपने देश का है, तब दिल के किसी कोने में हल्की सी खुशी आती है, क्योंकि वह खिलाड़ी भारतीय मूल का होता है और वह उस देश के लिए खेलता है, जहां उसका परिवार बस गया है। वे अपने-अपने देशों की जर्सी पहनकर मैदान में उतरते हैं और पूरे मन से उस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं।' कनाडा के खिलाड़ियों का जिक्र पीएम मोदी ने कहा, 'कनाडा की टीम में सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था।

लोकबंधु अस्पताल में बनेगा 50 बेड का ट्रॉमा सेंटर

लखनऊ,: कानपुर रोड स्थित लोकबंधु अस्पताल में घायलों के बेहतर उपचार के लिए 50 बेड का अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। अस्पताल प्रशासन ने प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेज दिया है और शीघ्र मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई है। वर्तमान में अस्पताल में इमरजेंसी सेवाएं संचालित हैं, लेकिन ट्रॉमा सेंटर बनने से सड़क दुर्घटनाओं और अन्य गंभीर हादसों में घायल मरीजों को त्वरित व विशेषज्ञ उपचार मिल सकेगा। प्रस्तावित सेंटर में आईसीयू और वेंटिलेटर के साथ मेजर व माइनर ऑपरेशन थिएटर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही 24 घंटे सीटी स्कैन, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।प्रदेश सरकार ट्रॉमा सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है, ताकि गोल्डन ऑवर में मरीजों को समुचित इलाज मिल सके।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ लंदन में नजर आई कृति सेनन, हाथ में हाथ डाल कर बिताया क्वालिटी टाइम

कृति सेनन हाल ही में अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ लंदन में नजर आईं। दोनों को हाथ में हाथ डाले देखा गया।

अभिनेत्री कृति सेनन अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। अफवाहें हैं कि अभिनेत्री बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं।हालांकि ना तो कृति ने, ना ही कबीर ने आधिकारिक तौर से अपने रिश्ते को लेकर कुछ कहा है। उनके बार-बार पब्लिक में दिखने से उनकी डेटिंग की अफवाहों को बल मिल रहा है।

लंदन में कबीर के साथ दिखीं कृति

सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो में कृति सेनन और कबीर बहिया लंदन में एक साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए नजर आए। क्लिप में, दोनों सड़कों पर हाथों में हाथ डाले चलते दिख रहे हैं। कबीर ने मैचिंग पैंट के साथ ब्लू स्वेटशर्ट पहनी, जबकि कृति ने ब्राउन टी-शर्ट के साथ ब्लू जींस पहनी है। उन्होंने अपने लुक को ब्राउन जैकेट और ब्लैक बूट्स से पूरा किया है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि वीडियो पुराना है या अभी का है।

कब से शुरू हुई डेटिंग की अफवाहें?

कृति के कबीर को डेट करने की अफवाहें तब शुरू हुई, जब उन्होंने ग्रीस में उनके साथ अपना 34वां जन्मदिन मनाया। उनके साथ कई फोटो और वीडियो ऑनलाइन सामने आए थे। उन्होंने ग्रीस से अपने दोस्तों के साथ भी फोटो शेयर की थीं, लेकिन उनमें कबीर नहीं थे। हालांकि कबीर ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की थी, वह एक ही जगह की लग रही थीं।

कृति सेनन का वर्क फ्रंट

कृति सेनन को आखिरी बार फिल्म 'तेरे इश्क में' में देखा गया था। वह जल्द ही फिल्म 'कॉकटेल 2' का हिस्सा होंगी। इसमें रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर लीड रोल में हैं। यह फिल्म 2012 में आई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है।

भाग्यश्री ने मनाया बेटे अभिमन्यु का 36वां जन्मदिन, शेयर की अनदेखी तस्वीरें

भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु का आज 36वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर अभिनेत्री ने बेटे के साथ अपनी नई और कई पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं।

भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु दसानी आज अपना 36वां जन्मदिन मना रह हैं। इस खुशी के मौके पर अभिमन्यु की मां और बॉलीवुड अभिनेत्री भाग्यश्री ने अपने बेटे के जन्मदिन पर कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और साथ अपने दिल की बात लिखी है।

भाग्यश्री का पोस्ट

भाग्यश्री ने आज इंस्टाग्राम पर अपने बेटे अभिमन्यु के साथ कई पुरानी और नई तस्वीरें शेयर कीं। इन शानदार तस्वीरों के साथ भाग्यश्री ने बेटे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'तुमने मेरी पूरी दुनिया बदल दी। प्यार से भरे हुए, मेरे सपनों वाले, मेरी दुनिया के... तुम मेरे सूरज की किरण हो।'

भाग्यश्री ने बेटे को दीं जन्मदिन की बधाई

भाग्यश्री ने आगे लिखा, 'उस छोटे से खुशहाल बच्चे से, जिसे मैं अपना कह सकती थी, लेकर आज के इस खूबसूरत, बहुत प्रतिभाशाली और मजबूत इंसान तक का सफर याद करके मेरे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। इन तस्वीरों में हर एक के पीछे कोई खास याद जुड़ी हुई है। भगवान की कृपा हमेशा तुम पर बनी रहे। जन्मदिन मुबारक हो।'

सेलेब्स ने दी बधाई

आज भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु का जन्मदिन है। इस खास मौके पर कई सेलेब्स और भाग्यश्री के फैंस ने उनके बेटे अभिमन्यु को जन्मदिन की बहुत शुभकामनाएं दी हैं। चंकी पांडे ने लिखा, 'हैप्पी हैप्पी बर्थ डे', बरखा सिंह ने लिखा, 'डटऋतीसरी तस्वीर बेहद खास है', एक्ट्रेस शीबा आकाशदीप साबिर ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो प्रिय, ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद', फराह खान अली ने लिखा, 'अभिमन्यु को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भगवान उसे आशीर्वाद दें।'

अभिमन्यु का करियर

भाग्यश्री के बेटे, अभिमन्यु दसानी का जन्म 21 फरवरी 1990 को हुआ था। वे एक भारतीय अभिनेता हैं, जिन्होंने 2018 में फिल्म 'मर्द को दर्द नहीं होता' से बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की थी।

महादेव की भक्ति में लीन दिखीं राशा थडानी, नंदी के कान में कही मनोकामना

अभिनेत्री राशा थडानी ने आज रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर की हैं। वे भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आईं। साथ ही, महादेव मंदिर में नंदी के कान में मन की मुराद कहती दिखीं।

अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने बीते साल फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। राशा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और खूब लाइमलाइट में रहती हैं। अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में वे महादेव की भक्ति में लीन नजर आईं। एक्ट्रेस ने कुछ फोटोज शेयर किए हैं।

राशा ने नंदी से कही मन की मुराद

राशा थडानी अक्सर अपनी मां रवीना टंडन के साथ आध्यात्मिक यात्रा पर जाती हैं। कई बार उन्हें भगवान शिव के मंदिर में पूजा-अर्चना करते देखा जाता है। एक बार फिर वे शिव मंदिर पहुंचीं, जहां नंदी के कान में उन्होंने अपनी मनोकामना कही। राशा ने आज रविवार को एक पोस्ट शेयर किया है। उनकी फोटो देख यूजर्स पूछ रहे हैं कि उन्होंने क्या विश मांगी है?

राशा ने तमन्ना से वीडियो कॉल पर की बात

इसके अलावा राशा ने कुछ फोटोज और साझा की हैं। एक तस्वीर में वे अभिनेत्री तमन्ना भाटिया से वीडियो कॉल पर बात करती दिख रही हैं। उन्होंने स्क्रीनशॉट शेयर किया है। वहीं, कुछ फोटोज उनके प्रोफेशनल फ्रंट की हैं, जिनमें वे फोटोशूट कराती दिख रही हैं।एक अन्य यूजर ने लिखा, 'महादेव की कृपा आप पर बनी रहे'। वहीं, कुछ यूजर्स राशा के लुक की तारीफ कर रहे हैं।

अनुष्का शर्मा ने एयरपोर्ट पर किया पैपराजी के साथ मजाक, विराट कोहली की छूटी हंसी

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। लेकिन इस दौरान तस्वीरें खिंचवाते वक्त अनुष्का काफी अच्छे मूड में नजर आईं।

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए। जब वहां मौजूद पैपराजी ने इस सेलिब्रिटी कपल से तस्वीरें खिंचवाने का अनुरोध किया तो उन्होंने तुरंत ही इसकी सहमति दे दी। हालांकि, यह पल देखते ही देखते हंसी-मजाक में बदल गया।

पैपराजी के साथ खिंचवाई तस्वीरें

अनुष्का शर्मा भले ही कई साल से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन उनके फैंस उन्हें एयरपोर्ट, क्रिकेट मैच या सार्वजनिक जगहों पर देखकर खुश हो जाते हैं। हाल ही में, अनुष्का और उनके पति विराट कोहली को मुंबई एयरपोर्ट पर साथ देखा गया। रविवार सुबह दोनों कैजुअल लेकिन स्टाइलिश कपड़ों में शहर से जा रहे थे। पैपराजी ने उनसे फोटो खिंचवाने की गुजारिश की, तो दोनों ने मुस्कुराते हुए पोज दिए।

वायरल वीडियो

फोटोग्राफर एक के बाद एक लाइन लगाकर अनुष्का और विराट के साथ तस्वीरें लेने लगे। ऐसे में अनुष्का ने मजाक में कहा, 'ऐसा लग रहा है जैसे हम शादी की तस्वीरें ले रहे हों।' यह सुनकर विराट हंस पड़े और पैपराजी भी अनुष्का की इस बात पर खूब हंसे। अनुष्का का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

अनुष्का और विराट

विराट और अनुष्का ने 2017 में शादी की थी। उनके दो बच्चे हैं- बेटी वामिका (जनवरी 2021 में जन्मी) और बेटा अकाय (फरवरी 2024 में जन्मा)। यह जोड़ा अपने परिवार को प्राइवेसी में रखना पसंद करता है। हाल ही में उन्हें अलीबाग के अपने घर से और वृंदावन में प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लेते हुए देखा गया।

अनुष्का का करियर

फिल्मों की बात करें तो अनुष्का 'बैंड बाजा बारात', 'पीके', 'सुल्तान', 'ऐ दिल है मुश्किल' जैसी हिट फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। उनकी झूलन गोस्वामी पर बनी बायोपिक 'चकदा एक्सप्रेस' नेटफ्लिक्स के लिए बन रही थी, लेकिन अभी यह प्रोजेक्ट रुका हुआ है। वजह साफ नहीं बताई गई, लेकिन फैंस उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

सान्या का धमाकेदार डांस, अल्लू और तेजा सज्जा ने लगाए चार चांद

बीती रात कोच्चि में 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ का आयोजन हुआ। अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी डांस परफॉर्मेंस से रौनक बढ़ा दी। वहीं, कई चर्चित सितारों ने भी चार चांद लगाए। देखिए अवॉर्ड नाइट की झलकियां।

केरल के कोच्चि में कल शनिवार रात 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ का आयोजन हुआ। 21 फरवरी को एडलक्स इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस अवॉर्ड सेरेमनी में कई सेलेब्स को साउथ का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया। सितारों की मौजूदगी में जगमगाई इस अवॉर्ड नाइट में सान्या मल्होत्रा ने धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस दी। देखिए अवॉर्ड इवेंट की कुछ खूबसूरत झलक...

सान्या ने लगाए चार चांद

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ में अपनी धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस से चार चांद लगा दिए। येलो कलर की ड्रेस में जब वे स्टेज पर थिरकीं तो देखने वाले हैरान रह गए।

तेजा सज्जा और अल्लू अर्जुन ने मनाया जीत का जश्न

अवॉर्ड नाइट में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और तेजा सज्जा भी नजर आए। यहां दोनों ने अवॉर्ड जीते। इसके बाद साथ में सेल्फी लेते दिखे। बता दें कि तेजा सज्जा ने 'हनु-मान' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स) तेलुगु का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है। वहीं, अल्लू अर्जुन ने फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' में अपनी जबरदस्त परफॉर्मेंस के लिए तेलुगु में बेस्ट एक्टर (मेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

तृषा शेट्टी सहित इन सितारों भी किया डांस

अवॉर्ड नाइट में सान्या मल्होत्रा के अलावा निधि अग्रवाल, तृषा शेट्टी, प्रणिता सुभाष और अपर्णा बालमुरली ने भी शानदार परफॉर्मेंस दी। इन सितारों ने हिट गानों पर डांस किया, जिसे देख दर्शक भी झूम उठे। तृषा का डांस देख वहां मौजूद लोग मंत्रमुग्ध रह गए।

ग्लैमरस लुक में दिखीं काजल अग्रवाल

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ में अभिनेत्री काजल अग्रवाल ग्लैमरस लुक में नजर आईं। वे ग्रीन और सिल्वर कलर की ड्रेस में बेहद खूबसूरत लगीं। उन्होंने अवॉर्ड में शिरकत करते हुए खुशी जाहिर की। काजल को 'सत्यभामा' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक्स) - तेलुगु का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला।

रेड कार्पेट पर सितारों ने बांधा समां

शिवकार्तिकेयन, ममूटी, तेजा सज्जा, कनी कुश्रुति और प्रियामणि जैसे सितारे रेड कार्पेट पर उतरे तो अपने अंदाज और लुक से समा बांध दिया। बता दें कि इस बार पहली बार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ का आयोजन कोच्चि में हुआ है।

अल्लू अर्जुन ने कहा- 'शुक्रिया'

अभिनेता अल्लू अर्जुन ने अवॉर्ड मिलने पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शुक्रिया अदा किया है। अल्लू ने लिखा है, 'फिल्मफेयर, इस शानदार सम्मान के लिए धन्यवाद। यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है कि मुझे यह सम्मान ऐसी जगह मिला है, जहां मुझे इतने अनोखे तरीके से प्यार किया जाता है। मैं सभी के आशीर्वाद से अभिभूत हूं। और, मैं यह अवॉर्ड अपने सभी फैंस को उनके बेशुमार प्यार के लिए समर्पित करता हूं'।

कब शुरू होंगे रश्मिका मंदाना-विजय के प्री-वेडिंग फंक्शन? वेन्यू से लेकर मेहमानों की लिस्ट तक

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और एक्टर विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच इनके प्री-वेडिंग फंक्शन से जुड़ी डिटेल सामने आई हैं।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा अपनी शादी को लेकर लगातार खबरों में हैं। लंबे वक्त से दोनों अपने कथित अफेयर को लेकर चर्चा में रहे। अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि दोनों इस महीने यानी फरवरी में शादी करने वाले हैं। पिछले दिनों इनकी शादी का कार्ड, वेडिंग वेन्यू को लेकर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। जानिए इनके प्री-वेडिंग फंक्शन कब से शुरू होने वाले हैं?

उदयपुर में होगी रश्मिका-विजय की शादी

रश्मिका और विजय देवरकोंडा 26 फरवरी 2026 को राजस्थान के उदयपुर में शादी करने वाले हैं। कपल ने शादी के लिए एक शाही विरासत महल को चुना था, जहां सिर्फ परिवार के सदस्य और बेहद करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनके प्री-वेडिंग फंक्शन 24 फरवरी से शुरू होंगे। 24 फरवरी को संगीत और मेंहदी की रस्में होंगी।

हल्दी और शादी की रस्में

रश्मिका मंदाना और विजय की मेहंदी की रस्म 25 फरवरी को होगी। इसके बाद 26 फरवरी को कपल शादी के बंधन में बंधेगा। शादी किस तरह होगी, इसे लेकर अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उदयपुर में आयोजित शादी में तेलुगु और हिंदी इंडस्ट्री से किसी सेलेब को आमंत्रित नहीं किया गया है। हालांकि, शादी के बाद दो रिसेप्शन पार्टी होने की जानकारी है। एक पार्टी हैदराबाद में होगी और दूसरा रिसेप्शन मुंबई में आयोजित हो सकता है।

कब हुई थी दोनों की सगाई?

रश्मिका और विजय की शादी की खबरों के बीच सोशल मीडिया पर कुछ दिन पहले विजय देवरकोंडा के घर के कई वीडियो वायरल हुए, जिसमें पूरा घर लाइट्स से सजा था। शादी वाले घर की तरह इसे सजाया गया है। यह वीडियो देखकर फैंस भी विजय और रश्मिका के लिए खुश नजर आए।

द केरल स्टोरी 2 पर अनुराग कश्यप ने दिया रिएक्शन

सिनेमाघरों में जल्द ही फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' रिलीज होने वाली है। इससे पहले फिल्म पर कई लोगों के बयान आ रहे हैं। ऐसे में अनुराग कश्यप ने भी फिल्म पर प्रतिक्रिया दी है।

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' रिलीज होने से पहले काफी सुर्खियों में है। कुछ लोग फिल्म का सपोर्ट कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग फिल्म को प्रोपेगेंडा बता रहे हैं। जब से 'द केरल स्टोरी 2' का ट्रेलर आया है, तब से इस पर विवाद हो रहा है। एक सीन में, एक कलाकार को कुछ लोग जबरदस्ती प्रतिबंधित मांस खिलाते हुए दिख रहे हैं। फिल्म के इस सीन पर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने प्रतिक्रिया दी है।

फिल्म को लेकर अनुराग कश्यप क्या बोले?

हाल ही में अनुराग कश्यप फिल्मफेयर अवाड्र्स साउथ में शामिल होने के लिए कोच्चि गए। उनसे पैपराजी ने पूछा कि क्या उन्होंने 'द केरला स्टोरी 2' का ट्रेलर देखा है। इस पर उन्होंने जवाब दिया, 'द केरल स्टोरी 2 बकवास मूवी है। यह बकवास प्रोपेगेंडा है। पूरी तरह बकवास। ऐसा कौन बीफ खिलाता है? ऐसा कोई खिचड़ी भी नहीं खिलाता है।' उन्होंने आगे कहा, ' वे (फिल्ममेकर) बस पैसा कमाना चाहते हैं और सबको खुश करना चाहते हैं। लोगों को बांटना चाहते हैं।'

फिल्म पर क्या बोले केरल के सीएम?

कुछ दिनों पहले, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने फिल्म को लेकर एक्स पर लिखा था कि यह चौंकाने वाला है कि कैसे सांप्रदायिक झगड़े को भड़काने के मकसद से बनाई गई मनगढ़ंत कहानियों को खुली छूट मिल जाती है। जबकि कला के आलोचनात्मक प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाती है। हमें अपनी सद्भाव की जमीन को आतंक का अड्डा दिखाने की इन कोशिशों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। सच की हमेशा जीत होगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'द केरल स्टोरी 2' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से व/अ सर्टिफिकेट मिला है। यह 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक

कामाख्या नारायण सिंह हैं। फिल्म के निमार्ता विपुल अमृतलाल शाह हैं।

राजधानी में जुटे पशुप्रेमी, 10 नामी एनिमल एक्टिविस्ट भी पहुंचे,पिंजरा तोड़ रैली निकाली

लखनऊ, । राजधानी लखनऊ में आज पशुओं के समर्थन में पिंजरा तोड़ रैली का आयोजन किया गया। रैली 1090 चौराहे से शुरू होकर लोहिया पार्क तक निकाली गई। स्ट्रीट डॉग के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरोध में लखनऊ में पशुप्रेमी जुटे हैं। इनके साथ देश के 10 नामी एक्टिविस्ट भी पहुंचे हैं। रैली के जरिए कार्यकर्ता इस आदेश पर संवैधानिक और विधिक आधारों पर पुनर्विचार की मांग उठा रहे हैं। रैली में हाथों में स्लोगन और कॉमेंट लिखी तख्तियां लेकर शामिल हुए। कई के टीशर्ट पर लिखा था- जीवों पर दया करना ही तीर्थ और पूजा करना है। रैली में 1000 लोग शामिल थे। रैली में पशु-अधिकार कार्यकर्ता अंबिका शुक्ला, सार्वजनिक नीति विशेषज्ञ और नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित गौरी मौलेखी, तेलंगाना में पशु-मृत्यु मामलों पर सक्रिय संक्षय चब्बर, वरिष्ठ अधिवक्ता पर्सिबल बिलिमोरिया, सामाजिक कार्यकर्ता वर्षा वर्मा, ट्रांसजेंडर अधिकार कार्यकर्ता पायल सिंह, उद्यमी और वक्ता गौरव प्रकाश, पैरालंपियन शटलर अबू हुबैदा, ह्यगाइड समाज कल्याण संस्थानह्व की संस्थापक डॉ. इंदु सुभाष, शिक्षाविद डॉ. मल्लिका सक्सेना, रक्तदान अभियानों से जुड़े सचिन श्रीवास्तव, नई रोशनी की संस्थापक सोनिया सिंह और मानवाधिकार विशेषज्ञ रेखा भूषण भी शामिल हुए। मेनका गांधी की बहन अंबिका शुक्ला ने बताया कि कोर्ट को आदेश वापस लेना चाहिए। हिंदुस्तान में हम ठीक से अनाथालय, विधवा आश्रम नहीं चला सकते हैं। वैसे क्या पशुओं के लिए शेल्टर होम चला पाएंगे?

ईरान पर हमले का फैसला हो चुका, अगले हफ्ते कार्रवाई कर सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन। पूर्व सीआईए अफसर जॉन किरियाकू ने दावा किया है कि अमेरिका ने अगले हफ्ते ईरान पर हमला करने का फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का दस दिन का अल्टीमेटम केवल ध्यान भटकाने के लिए है। इस सबके बीच अमेरिका ने युद्ध की आशंका के बीच अपने सैनिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अफसर जॉन किरियाकू ने एक बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि अमेरिका ने अगले हफ्ते की शुरूआत में ईरान पर सैन्य हमला करने का पक्का फैसला कर लिया है। जूलियन डोरे पॉडकास्ट पर बात करते हुए किरियाकोउ ने बताया कि व्हाइट हाउस के सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन की तरफ से दी गई समय सीमा के बावजूद हमला बहुत जल्द होने वाला है। किरियाकोउ ने कहा, 'मेरा एक दोस्त है जो सीआईए का पूर्व अफसर है। उसने आज सुबह व्हाइट हाउस में

अपने दोस्तों से बात की। उसका कहना है कि सोमवार या मंगलवार को ईरान पर हमला करने का फैसला हो चुका है। दस दिन का समय सिर्फ एक चाल? किरियाकोउ ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कल ईरान को एक प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए दस दिन का समय दिया था। इसमें ईरान को अपना बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम और यूरेनियम संवर्धन बंद करने के साथ-साथ हमास, हिजबुल्लाह और हूथी जैसे समूहों की मदद रोकने को कहा गया था। लेकिन किरियाकोउ का मानना है कि यह समय सीमा केवल ध्यान भटकाने की एक चाल है। उन्होंने कहा, ₹वे आपको दस दिन देंगे, लेकिन दो दिन बाद ही हमला कर देंगे। उन्हें लगता है कि इससे दुश्मन का संतुलन बिगड़ जाता है। सैनिकों की सुरक्षा के लिए जगह बदली हमले की तैयारी के संकेतों के बीच अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपने सैनिकों को सुरक्षित जगहों पर भेजना शुरू कर दिया है। 'द जेरूसलम पोस्ट' और 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, कतर के अल उदीद बेस से सैकड़ों सैनिकों को दूसरी जगह भेजा गया है। बहरीन, इराक, सीरिया, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन और यूएई में भी अमेरिकी ठिकानों पर ऐसे ही बदलाव देखे गए हैं। अधिकारियों को डर है कि युद्ध होने पर वहां मौजूद 30,000 से 40,000 अमेरिकी सैनिक ईरान का मुख्य निशाना बन सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी हमले की स्थिति में इलाके में मौजूद सभी अमेरिकी बेस और संपत्तियां उनका निशाना होंगी। इसे देखते हुए अमेरिका अपने एयर डिफेंस सिस्टम को शिफ्ट कर रहा है और एयरक्राफ्ट कैरियर को ईरान की पहुंच से दूर रख रहा है। ट्रंप की टीम में युद्ध को लेकर बंटवारा पूर्व सीआईए अफसर ने बताया कि ट्रंप प्रशासन के अंदर इस हमले को लेकर दो गुट बन गए हैं। उन्होंने कहा, युद्ध विरोधी गुट में जेडी वेंस और तुलसी गबार्ड हैं, जबकि युद्ध समर्थक गुट का नेतृत्व मार्को रुबियो कर रहे हैं। इसमें पीट हेगसेथ और अब ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ भी शामिल हैं। किरियाकोउ ने बताया कि ट्रंप ने पिछले 12 महीनों में सभी ज्वाइंट चीफ्स को बदल दिया है और ऐसे लोगों को रखा है जो उनके प्रति वफादार हैं। इसी वजह से सेना का रुख अब बदल गया है। यूएफओ फाइलों से ध्यान भटकाने की कोशिश? चर्चा के दौरान यह भी बात उठी कि सरकार जल्द ही यूएफओ से जुड़ी फाइलें जारी कर सकती है। किरियाकोउ ने माना कि हमले के समय ही इन फाइलों को जारी करने की बात करना जनता का ध्यान भटकाने का एक तरीका हो सकता है। जानकारों का मानना है कि तेहरान के मौजूदा प्रस्ताव अमेरिका को रोकने के लिए काफी नहीं हैं और राष्ट्रपति ट्रंप अब ईरान में सत्ता परिवर्तन के विचार पर काम कर रहे हैं।

ईरान पर सीमित सैन्य हमले पर विचार कर रहे ट्रंप, खामेनेई व बेटे की हत्या का विकल्प

नेटवर्क। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप के सामने सैन्य

विकल्प पेश किए गए। जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई की लक्षित हत्या शामिल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाने के लिए सीमित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने स्पष्ट किया, मैं कह सकता हूं कि मैं इस पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने यह भी बताया कि अगले 10 से 15 दिनों के भीतर इस बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, हालांकि तेहरान के साथ किसी समझौते की संभावना अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। सीएनबीसी के रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा था कि ईरान पर हमला किया जाए या नहीं, इस पर वे 10 से 15 दिनों में फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान के साथ समझौता हो जाता है, तो सैन्य कार्रवाई टाली जा सकती है। हालांकि ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तो वह जून में ईरानी परमाणु ठिकानों पर किए गए सीमित अमेरिकी हमलों से कहीं ज्यादा गंभीर होगा। परमाणु वार्ता में नहीं झुकेगा ईरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता के बीच उनका देश विश्व शक्तियों के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। ट्रंप के सामने खामेनेई व बेटे की हत्या का विकल्प ट्रंप के सामने सैन्य विकल्पों के रूप में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई की लक्षित हत्या जैसे विकल्प भी प्रस्तुत किए गए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ने फिलहाल ईरान पर हमले के मुद्दे पर फैसला नहीं लिया है। ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार के हवाले से एक्सियोस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष कई परिदृश्यों पर चर्चा की गई। इनमें से एक था-खामेनेई, उनके बेटे मोजतबा व अन्य मुल्लाओं को हमले में मार गिराना। मोजतबा को व्यापक रूप से उनके पिता के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है।

बांग्लादेश ने भारतीयों के लिए पर्यटक वीजा सेवा फिर शुरू करने का किया फैसला

ढाका। बांग्लादेश में करीब डेढ़ साल बाद हालात सुधर रहे हैं। इस कड़ी में बांग्लादेश ने भारतीयों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू

करने का फैसला किया है। सोमवार से भारत में मौजूद बांग्लादेशी दूतावासों और मिशनों में पर्यटक वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दी जाएंगी। इसे सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया गया था। बांग्लादेश ने भारत में रहने वाले लोगों के लिए एक बड़ी घोषणा की है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, सोमवार से भारत में मौजूद बांग्लादेशी दूतावासों और मिशनों में पर्यटक वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दी जाएंगी। सुरक्षा कारणों की वजह से यह सेवा कुछ समय के लिए रोक दी गई थी, लेकिन अब हालात बेहतर होने के बाद इसे दोबारा शुरू करने का फैसला लिया गया है। नई दिल्ली समेत इन जगहों पर आसानी से मिलेगा वीजा अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के अलावा कोलकाता, मुंबई, गुवाहाटी और अगरतला जैसे शहरों में मौजूद सभी मिशनों में अब पर्यटक वीजा आसानी से मिल सकेगा। पहले भी बाकी तरह के वीजा ज्यादातर जारी किए जा रहे थे, लेकिन टूरिस्ट वीजा सामान्य रूप से बंद थे और केवल बहुत जरूरी मामलों में ही दिए जा रहे थे। 15 जनवरी से 15 फरवरी तक लगी थी रोक दरअसल, बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए चुनाव से पहले सुरक्षा कारणों के चलते 15 जनवरी से 15 फरवरी तक पर्यटक वीजा सेवाओं पर रोक लगा दी गई थी। इसी दौरान नेपाल और भूटान जैसे देशों के लिए भी कुछ सेवाएं प्रभावित हुई थीं। अब चुनाव के बाद स्थिति सामान्य होने पर सभी तरह की वीजा सेवाओं को पूरी तरह बहाल किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ, बांग्लादेश के नागरिकों के लिए भारतीय टूरिस्ट वीजा अभी भी पूरी तरह शुरू नहीं हुए हैं, हालांकि कुछ खास श्रेणियों के वीजा जारी किए जा रहे हैं। नई सरकार बनने के बाद संबंधों में सुधार के संकेत विशेषज्ञों का मानना है कि नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार बनने के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। इसी कड़ी में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुआ था, जिससे दोनों देशों के रिश्तों को बेहतर बनाने का संदेश गया है।

चीन के ह्यूमनॉइड रोबोट बने कुंग फू स्टार, एक साल में बदली तस्वीर

बीजिंग। चीन के ह्यूमनॉइड रोबोट एक साल में कमजोर मशीनों से कुंग फू और जिम्नास्टिक में दक्ष बन गए। स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में दमदार प्रदर्शन के बाद अमेरिका-चीन टेक रेस और एआई रोबोटिक्स पर नई बहस छिड़ी। जो ह्यूमनॉइड रोबोट एक साल पहले सार्वजनिक प्रदर्शनों में गिरते-पड़ते नजर आते थे और जिनकी तकनीकी क्षमता पर संदेह जताया जाता था, वही अब कुंग फू फ्लिप्स, जिम्नास्टिक और हाई-प्रिसिजन डांस मूव्स के साथ चीन के स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में छा गए हैं। दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इस टीवी शो में चीनी स्टार्टअप्स के रोबोट्स ने यह साफ कर दिया कि तकनीक कितनी तेजी से आगे बढ़ रही है। इस प्रदर्शन ने जहां दर्शकों को रोमांचित किया, वहीं अमेरिका-चीन टेक रेस, नौकरियों के भविष्य और एआई आधारित मशीनों की बढ़ती ताकत पर वैश्विक बहस भी तेज कर दी है।

हालांकि विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि असली परीक्षा अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल और जटिल मानवीय वातावरण में विश्वसनीय प्रदर्शन की होगी। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार चीन के स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में इस बार कई स्टार्टअप कंपनियों के ह्यूमनॉइड रोबोट्स ने हिस्सा लिया। इन रोबोट्स ने कुंग फू स्टंट, समन्वित नृत्य और जिम्नास्टिक जैसे जटिल प्रदर्शन किए। यह प्रस्तुति 2025 के गाला से बिल्कुल अलग रही, जब अपेक्षाकृत कम उन्नत रोबोट्स रूमाल घुमाते हुए लोकनृत्य करते नजर आए थे और उनकी चाल अस्थिर दिखी थी। पिछले वर्ष अप्रैल में आयोजित एक रोबोट मैराथन भी सुर्खियों में रहा था, जहां कई रोबोट ठोकर खाते, गिरते या तकनीकी खराबी के कारण रुक जाते देखे गए थे। उस समय इन मशीनों की विश्वसनीयता पर सवाल उठे थे। लेकिन केवल एक वर्ष में तकनीकी सुधार ने धारणा बदल दी है। इस संबंध में सेमीएनालिसिस के विश्लेषक रेक नूटसेन ने कहा कि अब इन रोबोट्स को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उनके अनुसार स्प्रिंग गाला के प्रदर्शन के बाद रोबोट पहले से अधिक संतुलित, लचीले और सक्षम दिखे हैं। निर्माण और तैनाती में चीन की शुरूआती बढ़त बार्कलेज के आंकड़ों के अनुसार 2025 में दुनिया भर में लगभग 15,000 ह्यूमनॉइड रोबोट इंस्टॉलेशन हुए, जिनमें से 85 प्रतिशत से अधिक चीन में थे, जबकि अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 13 प्रतिशत रही। बार्कलेज की थीमैटिक एफआईसीसी रिसर्च प्रमुख जोर्नित्सा तोदोरोवा के मुताबिक चीन की सबसे बड़ी ताकत उसकी लगभग पूर्णतः वर्टिकली इंटीग्रेटेड रोबोटिक्स वैल्यू चेन है, रेयर अर्थ खनिजों और उच्च-प्रदर्शन मैग्नेट से लेकर भौतिक पुर्जों और बैटरियों तक।

इस्राइल पर अमेरिकी राजदूत के बयान पर भड़के इस्लामी देश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान समेत 14 देशों ने इस्राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी के बयान की कड़ी आलोचना की है। हकाबी ने अरब इलाकों पर इस्राइल के कब्जे का समर्थन किया था। इन देशों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ और इलाके की शांति के लिए बड़ा खतरा बताया है। पाकिस्तान रविवार को उन 13 अन्य देशों के साथ शामिल हो गया, जिन्होंने इस्राइल में अमेरिकी राजदूत के बयान की निंदा की है। मामले में अमेरिकी राजदूत ने बाइबिल के उस विचार से सहमति जताई थी, जिसमें इस्राइल को प्रमुख अरब इलाकों पर नियंत्रण करने का अधिकार बताया

गया था। अमेरिकी राजदूत ने क्या कहा था? अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने शुक्रवार को एक इंटरव्यू में यह बात कही। फॉक्स न्यूज के पूर्व एंकर टकर कार्लसन ने उनसे पूछा था कि क्या बाइबिल के अनुसार इराक की यूफ्रेट्स नदी और मिस्त्र की नील नदी के बीच का इलाका इस्राइल का है। इस पर हकाबी ने जवाब दिया, ₹अगर वे (इस्राइल) यह सब ले लें, तो यह ठीक रहेगा।₹ हकाबी इस्राइल के कट्टर समर्थक माने जाते हैं। इन देशों ने दी प्रतिक्रिया विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान, मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई, इंडोनेशिया, तुर्की, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान, बहरीन, लेबनान, सीरिया और फिलिस्तीन के विदेश मंत्रियों ने इस पर गहरा ऐतराज जताया है। इसके अलावा इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी), अरब लीग और गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) ने भी हकाबी के बयान की कड़ी आलोचना की है और चिंता जाहिर की है। विदेश मंत्रियों ने कहा कि ऐसी खतरनाक और भड़काऊ बातें अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संयुक्त राष्ट्र के नियमों का खुला उल्लंघन हैं। इससे इस पूरे इलाके की सुरक्षा और स्थिरता को गंभीर खतरा हो सकता है। संयुक्त बयान में कहा गया कि ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सोच और गाजा संघर्ष को खत्म करने की उनकी योजना के बिल्कुल उलट हैं। ट्रंप की योजना तनाव कम करने और फिलिस्तीनी लोगों के लिए एक आजाद देश बनाने का माहौल तैयार करने पर आधारित है। बयान जारी कर किया विरोध प्रदर्शन मंत्रियों का कहना है कि दूसरों की जमीन पर कब्जे को सही ठहराना शांति की कोशिशों को कमजोर करता है और माहौल को भड़काता है। मंत्रियों ने फिर से साफ किया कि कब्जे वाले फिलिस्तीनी इलाके या किसी दूसरी अरब जमीन पर इस्राइल का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने वेस्ट बैंक पर कब्जा करने या उसे गाजा पट्टी से अलग करने की किसी भी कोशिश को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने फिलिस्तीनी इलाकों में बस्तियां बसाने का भी कड़ा विरोध किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस्राइल अपनी विस्तारवादी नीतियां और गैर-कानूनी काम जारी रखता है, तो इससे हिंसा और टकराव ही बढ़ेगा। साथ, सभी देशों ने फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों और चार जून 1967 की सीमाओं के आधार पर एक स्वतंत्र फिलिस्तीन देश बनाने की अपनी मांग को दोहराया।

ईरान से बढ़ा तनाव, अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों के ठिकाने बदले

वॉशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध की आशंका के बीच मिडिल ईस्ट में अपने सैनिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है। पेंटागन को डर है कि वहां मौजूद अमेरिकी सैनिक ईरान का निशाना बन सकते हैं। अमेरिका अपनी सुरक्षा बढ़ा रहा है और एयरक्राफ्ट कैरियर को भी ईरान की पहुंच से दूर रख रहा है। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अलग-अलग जगहों पर तैनात अपने सैन्य कर्मचारियों को दूसरी जगहों पर भेजना शुरू कर दिया है।

यह बदलाव ईरान के साथ सीधे सैन्य टकराव के बढ़ते खतरे को देखते हुए किया जा रहा है। 'द येरूसलम पोस्ट' ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के हवाले से बताया है कि पेंटागन के अधिकारियों के मुताबिक, कतर के अल उदीद बेस से सैकड़ों सैनिकों को दूसरी जगह भेजा गया है। इसी तरह के बदलाव बहरीन (जहां नेवी के 5वें बेड़े का मुख्यालय है), इराक, सीरिया, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर भी देखे गए हैं। रिपोर्ट में क्या? रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों को डर है कि इस इलाके में अभी तैनात 30,000 से 40,000 अमेरिकी सैनिक युद्ध की स्थिति में ईरान का मुख्य निशाना बन सकते हैं। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अब टकराव होता है, तो वह जून 2025 में अल उदीद पर हुए हमले से काफी अलग होगा। उस समय ईरान ने अमेरिका को पहले से जानकारी दे दी थी, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। जेरूसलम पोस्ट ने संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन की एक सख्त चेतावनी का भी जिक्र किया है। इसमें कहा गया था कि अगर अमेरिका हमला करता है, तो इस इलाके में दुश्मन सेना के सभी बेस और संपत्तियां उनका सही निशाना होंगी। अमेरिका तैनात कर रहा डिफेंस सिस्टम इन खतरों को देखते हुए, अमेरिका अपनी सेना और हितों की सुरक्षा के लिए मिडिल ईस्ट में एयर डिफेंस सिस्टम को शिफ्ट कर रहा है। इसके साथ ही, दो एयरक्राफ्ट कैरियर को ईरानी इलाके से काफी दूरी पर रखने का फैसला किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि वे जवाबी कार्रवाई के लिए आसान निशाना न बनें। क्या बोले विशेषज्ञ? जेरूसलम पोस्ट ने बताया कि ये तैयारियां लंबे समय तक चलने वाले टकराव की ओर इशारा करती हैं। हालांकि ट्रंप प्रशासन आधिकारिक तौर पर कूटनीतिक समाधान खोजने की बात कर रहा है, लेकिन कई जानकारों का मानना है कि तेहरान के मौजूदा प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सैन्य हमला करने से रोकने के लिए काफी नहीं हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि राष्ट्रपति ने हाल ही में ईरान में सत्ता बदलने का विचार दिया था।

कट्टर इस्लामी समूहों को समर्थन दे रही पाकिस्तानी सेना

काबुल। एक रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान का मध्य पूर्व की ओर रुख दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया के पहले से ही अस्थिर क्षेत्रों में गलतफहमी, वैचारिक प्रभाव और प्रॉक्सी संघर्ष के खतरे को बढ़ा देता है। पाकिस्तान की सेना हमास और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे कट्टर इस्लामी समूहों को अपनी गतिविधि जारी रखने

के लिए समर्थन दे रही है। इसकी वजह से लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे स्थानीय आतंकी संगठनों को समर्थन मिल रहा है और वे गाजा और कश्मीर पर इस्लामिक देशों से सपोर्ट मांग रहे हैं। छीळ और खीट को समर्थन देता रहा है पाकिस्तान पाकिस्तान लंबे समय से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसी अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों को समर्थन देता रहा है। भले ही अंतरराष्ट्रीय दबाव में पाकिस्तान ने इन्हें प्रतिबंधित किया, लेकिन ये समूह अब भी सहयोगियों और सामने वाली संरचनाओं के जरिए सक्रिय हैं। पाकिस्तान जब मध्य पूर्व में अपनी सुरक्षा उपस्थिति बढ़ाता है और साथ ही इस्लामी आतंकवादी समूहों को खुले समर्थन देता है, तो यह समस्या सिर्फ दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं रहती, बल्कि क्षेत्रीय बन जाती है। हमास का समर्थन कर रहे पाकिस्तान के राजनीतिक और धार्मिक प्लेटफॉर्म रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पाकिस्तान के राजनीतिक और धार्मिक प्लेटफॉर्म हमास का समर्थन कर रहे हैं। जनवरी 2024 में पाकिस्तान की संसद ने हमास के प्रतिनिधि खालेद कद्दूमी का स्वागत किया और फरवरी 2025 में उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान हमास की मेजबानी कर स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों को पश्चिमी देशों, इस्राइल और भारत के खिलाफ एकजुट कर रहा है। आतंक समर्थक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की छवि अमेरिका और यूरोपीय संघ समेत कई देशों ने हमास को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। इसके इतर पाकिस्तान में उन्हें सम्मानित अतिथि के रूप में देखना दो खतरे पैदा करता है।

मिडिल ईस्ट पर इस्राइल का हक? अमेरिकी राजदूत के बयान से मचा बवाल

तेल अवीव। इस्राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हुकाबी के उस बयान पर विवाद गहरा गया है जिसमें उन्होंने कहा कि इस्राइल को मध्य पूर्व के बड़े हिस्से पर अधिकार हो सकता है। सऊदी अरब, मिस्त्र, जॉर्डन और अरब लीग सहित कई देशों ने इसे भड़काऊ और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया। इस्राइल में अमेरिका के राजदूत माइक हुकाबी के एक बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी है। हुकाबी ने एक इंटरव्यू में कहा कि इस्राइल को मध्य पूर्व के बड़े हिस्से पर अधिकार हो सकता है। उन्होंने यह टिप्पणी अमेरिकी रूढ़िवादी कमेंटेटर टकर कार्लसन को

दिए इंटरव्यू में की। कार्लसन ने बाइबिल के संदर्भ में पूछा था कि क्या इस्राइल को उस भूभाग पर अधिकार है, जो आज पूरे मिडिल ईस्ट के बड़े हिस्से में फैला है। इस पर हुकाबी ने कहा अगर वे सब ले लें तो भी ठीक होगा। हालांकि बाद में उन्होंने जोड़ा कि इस्राइल फिलहाल अपने क्षेत्र का विस्तार नहीं चाहता और उसे अपने वैध क्षेत्र में सुरक्षा का अधिकार है। अरब और मुस्लिम देशों की कड़ी प्रतिक्रिया हुकाबी के बयान के बाद सऊदी अरब, मिस्त्र, जॉर्डन, इस्लामिक सहयोग संगठन (डक्ळ) और अरब लीग ने कड़ी आपत्ति जताई। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने इसे अत्यधिक उग्र और अस्वीकार्य बयानबाजी बताया और अमेरिकी विदेश विभाग से स्पष्टीकरण की मांग की। मिस्त्र ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन कहा और दोहराया कि इस्राइल का कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों या अन्य अरब भूमि पर कोई संप्रभु अधिकार नहीं है। अरब लीग ने कहा कि ऐसे बयान क्षेत्र में धार्मिक और राष्ट्रीय भावनाओं को भड़काने का काम करते हैं। सीमाएं और संघर्ष का इतिहास 1948 में स्थापना के बाद से इस्राइल की सीमाएं कई युद्धों, संघर्ष विराम समझौतों और शांति संधियों के चलते बदलती रही हैं। 1967 के छह-दिवसीय युद्ध में इस्राइल ने वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम, गाजा, सिनाई प्रायद्वीप और गोलान हाइट्स पर कब्जा किया था। बाद में मिस्त्र के साथ शांति समझौते के तहत सिनाई खाली किया गया और 2005 में गाजा से एकतरफा वापसी की गई।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।